संपूर्ण भारत के लिए एक प्रकाशन

RNI Reg.No.-CHHHIN/2004/15050
Postal Reg.No.-13/Surguja DN/2023-2025

दैनिक घटती घटना

Www.ghatatighatana.com
Ghatatighatana11@gmail.com

अम्बिकापुर,वर्ष 20,अंक -326 शुक्रवार ,27 सितम्बर 2024 , पृष्ठ - 8 मूल्य 2 रूपये

जीवित्पुत्रिका पर्व के दौरान भीषण हादसाः43 लोग डूबे

पटना, 26 सितंबर 2024(ए)। बिहार में 'जीवित्पुत्रिका' त्योहार जिसे स्थानीय भाषा में जीतिया भी कहा जाता है उसे मनाने के दौरान अलग-अलग घटनाओं में नदियों और तालाबों में 37 बच्चों सहित कुल 43 लोग डूब गए। वहीं तीन अन्य लापता हैं। यह घटनाएं बिहार के 15 अलग-अलग जिलों में हुई हैं। बता दें कि 'जीवित्पुत्रिका' त्योहार के दौरान, महिलाएं अपनी संतान (बेटे-बेटी) की लंबी उम्र और अच्छे स्वास्थ्य के लिए निर्जला उपवास रखती हैं और पवित्र स्नान करती हैं। बिहार, झारखंड और यूपी के पूर्वांचल हिस्से में इसे प्रमुखता से मनाया जाता है।

बिहार में डूबने की घटनाओं को लेकर आपदा प्रबंधन विभाग (डीएमडी) द्वारा जारी एक बयान में कहा गया है, 'अब तक कुल 43 शव बरामद किए गए हैं और तलाशी अभियान जारी है।'

चार-चार लाख रुपये की सहायता राशि

न्यूज एजेंसी की रिपोर्ट के मुताबिक मुख्यमंत्री नीतीश कुमार ने मृतकों के परिजनों को चार-चार लाख रुपये की अनुग्रह राशि देने की घोषणा की है। सरकार की तरफ से जारी बयान में कहा गया है कि अनुग्रह राशि देने की प्रक्रिया शुरू हो गई है और आठ मृतकों के परिवार के सदस्यों को यह पहले ही मिल चुकी है।

इन जिलों में हुई है घटना

रिपोर्ट के मुताबिक पूर्वी और पश्चिमी चंपारण, नालंदा, औरंगाबाद, कैमूर,बक्सर,सीवान,रोहतास, सारण,पटना, वैशाली, मुजफ्फरपुर, समस्तीपुर, गोपालगंज और अरवल जिलों में इस त्योहार के दौरान लोगों के नदी और तालाबों में डूबने की घटनाएं सामने आई है।

कहां-कहां हुई मौतें

बिहार के 15 जिलों से मौत की खबर आ रही है। सबसे ज्यादा 10 मौतें औरंगाबाद में हुई हैं। इसके बाद छपरा में 5 लोगों की जान गई है। स्थानीय मीडिया के मुताबिक, रोहतास में 4, कैमूर में 3, सीवान में 3, मोतिहारी में 3, बेतिया में 2, बेगूसराय में 2, गोपालगंज, भोजपुर, नालंदा, दरभंगा, मधुबनी, समस्तीपुर और अरवल आदि में 1-1 मौत की खबर है। मरने वालों में 37 बच्चे, 7 महिलाएं और 2 पुरुष बताए जा रहे हैं।

स्कूल-कॉलेज बंद,लोगों से घर पर रहने की अपील

बीएमसी और पुलिस ने मुंबई के नागरिकों से अपील की है कि वे सुरक्षित रहें और जब तक आवश्यक न हो, घर से बाहर न निकलें। बारिश से दुर्घटनाओं का खतरा बढ़ गया है। कई जगहों पर जलभराव होने के बाद इस बीएमसी ने स्कूल और कॉलेज बंद करने का फैसला लिया।मौसम विभाग की ओर से अगले 24 घंटे में भारी बारिश होने का पूर्वानुमान जाहिर की गई है। ऐसे में एहतियात बरतते हुए शैक्षणिक संस्थानों को बंद करने का फैसला किया गया है। प्रशासन ने लोगों से सावधानी बरतने की अपील की है।

27 सितंबर करे भारी बारिश का अलर्ट

मौसम विभाग के मुताबिक, पूर्वी उत्तर प्रदेश, उपहिमालयी पश्चिम बंगाल, सिक्किम, बिहार, कोंकण-गोवा, मध्य महाराष्ट्र और गुजरात में भारी से बहुत भारी (12 सेमी) तक बारिश हो सकती है। उत्तराखंड, पश्चिम उत्तर प्रदेश, पश्चिम मध्य प्रदेश, अरुणाचल प्रदेश, असम, मेघालय, नगालैंड, मणिपुर, मिजोरम और त्रिपुरा में भारी बारिश (7 सेमी) का अलर्ट है। तेज बारिश के सिस्टम की वजह से मध्यप्रदेश एक बार फिर तरबतर हो गया है। बुधवार को भोपाल, इंदौर समेत 21 जिलों में पानी गिरा। गुरुवार को जबलपुर, सागर समेत 16 जिलों में तेज बारिश का अलर्ट है। भोपाल, इंदौर-उज्जैन में हल्की बारिश हो सकती है। मौसम विभाग के अनुसार, यह सितंबर का चौथा स्ट्रॉन्ग सिस्टम है।

बिहारः पटना समेत 12 जिलों में भारी बारिश का अलर्ट

बिहार में उमस भरी गर्मी के बाद एक बार फिर मौसम में बदलाव देखने को मिल रहा है। पटना समेत राज्य के कई जिलों में बारिश हो रही है। मौसम विभाग ने आज सभी जिलों में बारिश का अलर्ट जारी किया है। इस दौरान 50 किमी की रफ्तार से हवा चलने की संभावना है। मौसम विभाग ने 28 सितंबर तक अधिकांश जिलों में बारिश की संभावना जताई है।

राजस्थानः आज 11 जिलों में बरसात का अलर्ट

राजस्थान में करीब एक सप्ताह से बंद पड़ा बारिश का दौर बुधवार से फिर शुरू होगा। बांसवाड़ा के सज्जनगढ़ और उदयपुर के सलूंबर एरिया में 1 इंच से ज्यादा बरसात दर्ज हुई। इधर, पूर्वी और पश्चिमी राजस्थान के अधिकांश जिलों में आसमान साफ रहा। धूप के साथ उमस रही। मौसम केन्द्र जयपुर ने आज राजस्थान के 11 जिलों में बारिश का अलर्ट है।

» वड़ोदरा में 4 मौतें,मुंबई में भी 4 की जान गई...स्कूल-कॉलेज बंद...

मुंबई और गुजरात में पिछले 24 घंटे में तूफान और बारिश के चलते 8 लोगों की जान चली गई। मुंबई में बुधवार शाम 5 घंटों में 3.9 इंच से ज्यादा बारिश हुई। सड़कों पर पानी भर गया और लोग जाम में फंस गए।

मुंबई एयरपोर्ट पर 14 फ्लाइट्स डायवर्ट करनी पड़ीं। 4 लोगों की जान चली गई, इनमें एक महिला की मौत मैनहोल में गिरने से हुई। मुंबई सहित पूरे महाराष्ट्र में आज भारी बारिश का रेड अलर्ट है। मुंबई, ठाणे, पालघर, पुणे और पिंपरी-चिंचवड़ में स्कूलों-कॉलेजों में छुट्टी कर दी गई है। पुणे में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की सभा होनी थी, लेकिन ग्राउंड में पानी भरने के चलते इसे रद्द कर दिया गया है।

गुजरात के सूरत में बुधवार शाम 2 घंटे में 2 इंच बारिश हुई। कदरसा और संग्रामपुरा इलाके में नहरों में बाढ़ आ गई। बच्चे स्कूलों में फंस गए, जिन्हें दमकल ने रेस्क्यू किया। गुजरात में अगले चार दिनों तक बारिश से राहत मिलने की संभावना नहीं है।

ओडिशा में कई इलाकों में पिछले 24 घंटे से बारिश हो रही है। पुरी में स्कूलों को बंद कर दिया गया है। कोणार्क सूर्य मंदिर के कैंपस में पानी भर गया। मंदिर कैंपस से पानी निकालने के लिए पंप लगाए हैं।

हिमाचल में बादल फटने से एक की मौत, एमपी-यूपी में भी बारिश

हिमाचल प्रदेश के सिरमौर जिले में गुरुवार को भारी बारिश के कारण बादल फटने से एक व्यक्ति की मौत हो गई। राज्य में बुधवार शाम से हो रही बारिश के कारण हाईवे-707 सहित 71 सड़कें बंद हैं।

मध्य प्रदेश के खंडवा में बुधवार को 9 घंटे में 2.3 इंच बारिश हुई। यहां भोपाल, इंदौर समेत 21 जिलों में भी बारिश हुई। उत्तर प्रदेश के मथुरा में बारिश से कई इलाकों में दो से तीन फीट तक पानी भर गया। शहर के र जि स्ट्री ऑफिस में भी पानी भर गया।

इस समय बारिश की वजह- मानसून की वापसी में देरी

आईएमडी ने बताया कि 17 सितंबर को राजस्थान से दक्षिण-पश्चिम मानसून की विदाई शुरू होती है। इस बार 23 सितंबर यानी एक हफ्ते की देरी से हुआ। इसके कारण पुणे और मुंबई में 10-12 अक्टूबर से पहले मानसून खत्म होने की संभावना नहीं है। आमतौर पर महाराष्ट्र से मानसून की वापसी 5 अक्टूबर के आसपास होती है।

आईएमडी वैज्ञानिक एस डी सनप ने बताया कि बंगाल की खाड़ी के ऊपर कम दबाव के क्षेत्र बनने और इसके उत्तर पश्चिम की ओर बढ़ने की संभावना के कारण 26 सितंबर से महाराष्ट्र में अच्छी बारिश होगी। महाराष्ट्र और गोवा में 28 सितंबर तक भारी बारिश होने की संभावना है।

आईएमडी के मुताबिक, महाराष्ट्र में इस मानसून सीजन में लंबे अंतराल के बाद बारिश शुरू हुई है। ऐसे में अक्टूबर में महाराष्ट्र से मानसून खत्म होने की भविष्यवाणी करना अभी जल्दबाजी होगी।

पीएम मोदी का पुणे दौरा टला

मुंबई के साथ ही पुणे में भी भारी बारिश हो रही है। इसे देखते हुए प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी का पुणे दौरा टाल दिया गया है। पीएम मोदी गुरुवार को पुणे मेट्रो के नए कॉरिडोर का उद्घाटन करने के पुणे जाने वाले थे। हालांकि भारी बारिश के कारण यह दौरा रद्द करना पड़ा। बुधवार से ही पुणे में भारी बारिश हो रही है। हालांकि, शहर में प्रधानमंत्री का स्वागत करने के लिए तैयारियां चल रही थीं और उपमुख्यमंत्री अजित पवार ने एसपी कॉलेज के मैदान में व्यवस्थाएं की थीं। लेकिन सभा स्थल पर भारी जलभराव और कीचड़ के कारण पीएम मोदी वहां सार्वजनिक रैली नहीं कर पाएंगे।

देश की संक्षिप्त खबरें

इस मामले में 15 दिन जेल में रहेंगे संजय राउत

भरना होगा 25 हजार का जुर्माना

मुंबई, 26 सितंबर 2024(ए)। शिवसेना नेता और राज्यसभा सांसद संजय राउत को मानहानि मामले में दोषी ठहराते हुए मेट्रोपोलिटन मजिस्ट्रेट मझगांव कोर्ट ने 15 दिन की कैद और ₹25,000 जुर्माने की सजा सुनाई है।यह मामला भाजपा नेता किरीट सोमैया की पत्नी डॉ. मेधा सोमैया द्वारा दर्ज कराया गया था, जिसमें राउत ने किरीट सोमैया पर शौचालय घोटाले में शामिल होने का आरोप लगाया था। इस आरोप को मानहानि मानते हुए डॉ. मेधा सोमैया ने शिकायत दर्ज की थी।

बिलकिस बानो केस,सुप्रीम कोर्ट का टिप्पणियां हटाने से इनकार

फिर से विचार करने की जरूरत नहीं, गुजरात सरकार की अर्जी खारिज

नई दिल्ली, 26 सितंबर 2024(ए)।सुप्रीम कोर्ट ने गुरुवार (26 सितंबर) को बिलकिस बानो केस में गुजरात सरकार की अर्जी खारिज कर दी। अर्जी में गुजरात सरकार ने मांग की थी कि इस केस में दोषियों की रिहाई से जुड़े आदेश में सुप्रीम कोर्ट ने जो टिप्पणियां की थीं उन्हें हटा दिया जाए। 8 जनवरी 2024 को सुप्रीम कोर्ट ने 2002 के गुजरात दंगों के दौरान बिलकिस बानो के साथ बलात्कार और उसके परिवार की हत्या के दोषी 11 लोगों की समयपूर्व रिहाई को रद्द कर दिया था।फैसला सुनाते वक्त जस्टिस बीवी नागरत्ना और जस्टिस उज्जल भुइयां की बेंच ने कहा- सजा अपराध रोकने के लिए दी जाती है। पीड़ित की तकलीफ की भी चिंता करनी होगी। गुजरात सरकार को रिहाई का फैसला लेने का कोई अधिकार नहीं है।

27 साल से भाजपा का दिल्ली में वनवास ये जनता को परेशान करके आते हैं सत्ता में

नई दिल्ली,26 सितंबर 2024(ए)। दिल्ली विधानसभा सत्र के दौरान दिल्ली के पूर्व मुख्यमंत्री और आप संयोजक अरविंद केजरीवाल ने कहा, मैं 3-4 दिन पहले भाजपा के एक बड़े नेता से मिला। मैंने उससे पूछा कि मुझे गिरफ्तार करके आपको क्या मिला? बोला कि आपके पीछे से हमने पूरी दिल्ली ठप्प कर दी... मैं स्तब्ध रह गया कि देश की राजधानी के 2 करोड़ लोगों की जिंदगी खराब करके वे खुश हो रहे हैं... उनका मकसद था आम आदमी पार्टी की सरकार को

बदनाम करना ताकि उनको वोट मिल जाएं... 27 साल से भाजपा का दिल्ली में वनवास है अब ये दिल्ली की जनता को परेशान करके वोट लेना चाहते हैं। आपके पास तो केंद्र सरकार है। केंद्र सरकार के पास अथाह पैसा है। केजरीवाल 500 मोहल्ला क्लीनिक बनाता है आप 5000 मोहल्ला क्लीनिक बनाओ न दिल्ली में। आपको कौन रोक रहा है?... जनता बड़ी सयानी है। जनता देखती है, चुप रहती है। वोट वाले दिन जब बटन दबाने जाती है तो अपना गुस्सा जाहिर करती है।

पूर्व मुख्यमंत्री और आप संयोजक अरविंद केजरीवाल ने कहा, दिल्ली की जनता के मन में दो बातें हैं। पहली केजरीवाल कट्टर ईमानदार है और दूसरा केजरीवाल जनता के लिए काम करता है... वे(भाजपा) उन दोनों बातों पर चोट करना चाहते थे... उन दोनों बातों पर चोट किया। मुझ पर फर्जी केस किया... सबको जेल में डाल दिया। हमारी पार्टी के 5 सबसे बड़े नेताओं को जेल में डालने के बाद भी हमारी पार्टी मजबूती के साथ खड़ी है। मैं चुनौती देता हूं, आपकी पार्टी के 2 लोगों को जेल में डालने पर वो टूट न जाए।

पैरासिटामोल समेत 53 दवाएं क्वॉलिटी टेस्ट में फेल

» इनमें डायबिटीज, ब्लड प्रेशर की गोलियां शामिल

नई दिल्ली, 26 सितंबर 2024(ए)। भारत की केंद्रीय औषधि मानक नियंत्रण संगठन ने हाल ही में 53 दवाओं की गुणवत्ता परीक्षण की रिपोर्ट जारी की है। इन दवाओं में बुखार में इस्तेमाल होने वाली सामान्य पैरासिटामोल से लेकर डायबिटीज और हाई ब्लड प्रेशर की गोलियां शामिल हैं। सीडीएससीओ की रिपोर्ट के मुताबिक, इन दवाओं का परीक्षण गुणवत्ता मानकों पर किया गया, लेकिन ये अपेक्षाओं पर खरी नहीं उतरीं।

कई बड़ी कंपनियों की दवाएं गुणवत्ता परीक्षण में फेल

परीक्षण में शामिल कई दवाएं भारत की प्रमुख फार्मास्युटिकल कंपनियों द्वारा निर्मित की गई थीं। इनमें हेटेरो ड्रग्स, एलकेम लेबोरेटरीज और हिन्दुस्तान एंटीबॉयोटिक्स लिमिटेड (एचएएल) जैसी जानी-मानी कंपनियों की दवाएं शामिल हैं। इन कंपनियों द्वारा निर्मित कैल्शियम और विटामिन डी-3 सप्लीमेंट, डायबिटीज की गोलियां और ब्लड प्रेशर की दवाओं को गुणवत्ता परीक्षण में फेल बताया गया है। यह रिपोर्ट उपभोक्ताओं के लिए चिंता का विषय बन गई है।

पेट संक्रमण की दवा भी फेल

हिन्दुस्तान एंटीबॉयोटिक्स लिमिटेड (एचएएल) द्वारा निर्मित मेट्रोनिडाजोल, जो पेट संक्रमण में प्रयोग की

जाने वाली एक सामान्य दवा है, भी इस गुणवत्ता परीक्षण में विफल रही। यह दवा पेट से संबंधित संक्रमण के लिए आमतौर पर उपयोग की जाती है। सीडीएससीओ की रिपोर्ट में बताया गया कि यह दवा अपने निर्धारित मानकों पर खरी नहीं उतरी।

बच्चों की दवा भी गुणवत्ता परीक्षण में असफल

सीडीएससीओ की इस रिपोर्ट में बच्चों को बैक्टीरियल इंफेक्शन में दी जाने वाली दवा सिपोडेम एक्सपी 50 ड्राई सस्पेंशन को भी घटिया गुणवत्ता का पाया गया। इस दवा का निर्माण हैदराबाद की हेटेरो ड्रग्स करता है। यह दवा आम तौर पर बच्चों को बैक्टेरियल इंफेक्शन होने पर प्रेसक्राइब की जाती है। बच्चों के कान, गले फेफड़े और चमड़े का इनफेक्शन होने पर यह दवा दी जाती है। इस दवा में दो मेडिकल कॉम्बिनेशन का इस्तेमाल किया जाता है। यह दवा फिक्सड डोज दवा की कैटेगरी में आती है।

केंद्र सरकार ने नागालैंड-अरुणाचल में 6 महीने के लिए बढ़ाया अफस्पा

नई दिल्ली, 26 सितंबर 2024(ए)। केंद्र सरकार ने नागालैंड और अरुणाचल प्रदेश के कुछ हिस्सों में सशस्त्र बल विशेष अधिकार अधिनियम को अगले छह महीने के लिए बढ़ा दिया है। यह फैसला इन राज्यों में कानून-व्यवस्था की स्थिति की समीक्षा के बाद लिया गया है। अफस्पा के तहत, इन क्षेत्रों में तैनात सशस्त्र बलों को लोगों की तलाशी लेने, गिरफ्तारी करने और विशेष परिस्थितियों में फायरिंग करने के व्यापक अधिकार प्राप्त होते हैं।

नागालैंड के आठ जिलों और पांच अन्य जिलों के 21 थाना क्षेत्रों को पहले ही एक अप्रैल, 2024 से छह महीने के लिए %अशांत क्षेत्र' घोषित किया जा चुका था। अब इन क्षेत्रों को एक अक्टूबर, 2024 से और छह महीने के लिए %अशांत क्षेत्र' घोषित किया गया है।

अरुणाचल प्रदेश के तिरप, चांगलांग और लोंगडिंग जिलों और असम की सीमा से लगे नामसाई जिले के कुछ हिस्सों को भी एक अप्रैल, 2024 से %अशांत क्षेत्र' घोषित किया गया था। अब इस क्षेत्र को भी एक अक्टूबर, 2024 से छह महीने के लिए %अशांत क्षेत्र' घोषित किया गया है।

अफस्पा को लेकर कई वर्षों से विवाद चल रहा है। मानवाधिकार कार्यकर्ता इस कानून का विरोध करते हुए इसे लोगों के अधिकारों का हनन बताते हैं। उनका कहना है कि इस कानून के तहत सशस्त्र बलों को दिए गए व्यापक अधिकारों का दुरुपयोग होता है।

केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने कहा है कि पूर्वोत्तर भारत के राज्यों के 70 प्रतिशत हिस्से से स्नस्क्क हटा लिया गया है, हालांकि यह जम्मू-कश्मीर में फिलहाल लागू है।

सोशल मीडिया पर आपस में क्यों भिड़े पूर्व सेनाध्यक्ष और पूर्व सीबीआई चीफ?

जनरल वीके सिंह ने मामले पर वर्दीधारी अपराधियों के खिलाफ कार्रवाई की मांग की पूर्व सीबीआई चीफ ने किया पुलिस का बचाव

नई दिल्ली, 26 सितंबर 2024(ए)। ओडिशा में सैन्य अफसर और उनकी मंगेतर से भरतपुर थाने में मारपीट और यौन उत्पीड़न के मुद्दे पर पूर्व सेना प्रमुख और पूर्व सीबीआई चीफ सोशल मीडिया पर भिड़ गए। जहां पूर्व सेना प्रमुख वीके सिंह ने मामले को लेकर ओडिशा सीएम से आरोपी पुलिस अधिकारियों के खिलाफ कार्रवाई की मांग की। वहीं, पूर्व सीबीआई चीफ एम. नागेश्वर राव ने इस पर पुलिस का बचाव करते हुए कहा कि एक आर्मी अफसर और उनकी मंगेतर ने शराब पीकर गाड़ी चलाई और थाने में हंगामा किया। इसके लिए पुलिस की आलोचना करना सही नहीं है।

पत्नी के विरोध के बावजूद बार-बार सेक्सुअल रिलेशन बनाया

कोर्ट ने पति को दोषी करार दिया

रांची, 26 सितंबर 2024(ए)। मैरिटल रेप यानी पत्नी से उसकी इच्छा के बगैर जबरन सेक्सुअल रिलेशन बनाने के मुद्दे पर देश में छिड़ी कानूनी बहस के बीच एक ऐसे ही केस में रांची की सिविल कोर्ट का फैसला सामने आया है। रांची के अपर न्यायायुक्त की कोर्ट ने पत्नी के साथ उसके विरोध के बावजूद बार-बार सेक्सुअल रिलेशन बनाने के मामले में ट्रायल फेस कर रहे अभियुक्त रणधीर वर्मा को दोषी करार दिया है। अदालत के इस फैसले के बाद अभियुक्त को जेल भेज दिया गया है।

संपादकीय

कानून की रक्षा करने की चुनौती

सुप्रीम कोर्ट के सामने चुनौती सिर्फ कानून की व्याख्या करने की नहीं है। बल्कि उसके सामने कानून के राज को बेमायने कर देने की एक विशेष राजनीतिक परियोजना से कानून की रक्षा करने की चुनौती है।सुप्रीम कोर्ट ने बिना अदालत की इजाजत के बुल्डोजर से देश में किसी प्रकार के निर्माण को ढहाने पर दो हफ्तों के लिए जो रोक लगाई है, वह न्यायिक प्रक्रिया का हिस्सा है। वैसे सर्वोच्च न्यायालय ने रोक की इस अवधि के लिए जो दिशा-निर्देश तय किए हैं, कानून के राज में वे आम चलन का हिस्सा होते हैं। सार्वजनिक स्थलों पर अतिक्रमण कर बनाए गए अवैध निर्माणों को तोड़ना कोई नई बात नहीं है।नई बात यह है कि बुल्डोजर के जरिए संदिग्ध अभियुक्त के मकान को गिराने का चलन फैल गया है। देखा यह गया है कि संबंधित अभियुक्त अगर मुस्लिम समुदाय का हुआ, तो ऐसी कार्रवाई तुरंत की जाती है। चलन उत्तर प्रदेश से शुरू हुआ और धीरे-धीरे अन्य भाजपा शासित राज्यों में भी इसे अपना लिया गया।इस बात की उपेक्षा नहीं की जा सकती कि ऐसे कदमों के जरिए एक तरह का राजनीतिक संदेश भेजने की कोशिश की गई है। बुल्डोजर को ऐसा सियासी सिंबल बना लिया गया है कि अमेरिका स्थित हिंदुत्व समर्थक गुटों ने 15 अगस्त के समारोहों का आयोजन बुल्डोजर रख कर करते देख गए हैं।इधर उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री आदित्यनाथ के समर्थक उनका उल्लेख बुल्डोजर बाबा' कह कर करते रहे हैं। इसीलिए सुप्रीम कोर्ट के सामने चुनौती सिर्फ कानून की व्याख्या करने की नहीं है। बल्कि उसके सामने कानून के राज को बेमायने कर देने की एक विशेष राजनीतिक परियोजना से कानून की रक्षा करने की चुनौती है। कोर्ट के जज इस बात से नाराज थे कि उनकी विपरीत टिप्पणियों के बावजूद नेता यह कहते रहे हैं कि बुल्डोजर तो चलते रहेंगे।क्या कोर्ट ऐसे नेताओं की जवाबदेही तय कर सकने की स्थिति में है? क्या वह उसकी टिप्पणियों, आदेश और दिशा-निर्देशों का उल्लंघन करने वाले अधिकारियों को अदालत की अवमानना का दोषी ठहरा कर ऐसी सजा देने को तत्पर है, जो दूसरों के लिए मिसाल बने? दरअसल, बुल्डोजर राज' पर न्यायिक हस्तक्षेप बहुत देर से हुआ है। अब तक ये बीमारी बहुत गहरे फैल चुकी है। आरंभ में ही न्यायपालिका ने इसे रोक दिया होता, तो बात यहां तक पहुंचती ही नहीं।

विश्व पर्यटन दिवस पर विशेष

पर्यटन के क्षेत्र में रोजगार के बढ़ते अवसर

घटती-घटना
रमेश सर्राफ धमोरा
राजस्थान

संयुक्त राष्ट्र विश्व पर्यटन संगठन (यूएनडब्ल्यूटीओ) ने विश्व पर्यटन दिवस की स्थापना की। 1980 से हर साल 27 सितंबर को विश्व पर्यटन दिवस मनाया जाता है। इसी दिन यूनाइटेड नेशंस वर्ल्ड टूरिज्म ऑर्गनाइजेशन के कानूनों को अपनाया गया था। विश्व पर्यटन दिवस 2024 की थीम पर्यटन और शांति है। इस थीम का उद्देश्य है कि पर्यटन समुदायों को बदल सकता है। रोजगार पैदा कर सकता है। समावेश को बढ़ावा दे सकता है और स्थानीय अर्थव्यवस्थाओं को मजबूत कर सकता है।

देश के लिए बहुमूल्य विदेशी मुद्रा की कमाई करने में पर्यटन उद्योग का अच्छा खासा महत्व है। पर्यटन जिसे चिमनी विभिन्न उद्योग के नाम से भी जाना जाता हैं। आज भी लाखों लोगों को प्रत्यक्ष या अप्रत्यक्ष रूप से रोजगार उपलब्ध करा रहा है। भारत दुनिया के उन चुनिंदा देशों में से है जहां कलात्मक, धार्मिक और प्राकृतिक सौंदर्य से भरपूर दर्शनीय स्थलों एवं कृतियों की कमी नहीं है। यही कारण है कि हजारों मील दूर रहने वाले विदेशी लोग भी पर्यटन के लिए यहां आने का लोभ छोड़ नहीं पाते हैं। यही नहीं देशी पर्यटक भी बड़ी तादाद में कश्मीर से लेकर कन्याकुमारी तक फैले देश के विभिन्न पर्यटन केंद्रों पर देखे जा सकते हैं।

भारत में पर्यटन सबसे बड़ा सेवा उद्योग है। जहां इसका राष्ट्रीय सकल घरेलू उत्पाद में 6.23 प्रतिशत और भारत के कुल रोजगार में 8.78 प्रतिशत योगदान है। भारत में वार्षिक तौर पर 50 लाख विदेशी पर्यटकों का आगमन और 56 करोड़ घरेलू पर्यटकों द्वारा भ्रमण परिलक्षित होता है। विश्व पर्यटन दिवस एक वार्षिक आयोजन है। जिसका उद्देश्य वैश्विक उद्योग के रूप में पर्यटन के महत्व तथा इसके सामाजिक, सांस्कृतिक, राजनीतिक और आर्थिक प्रभाव के बारे में जागरूकता को बढ़ावा देना है।

विशेषज्ञों द्वारा संभावना जताई जा रही है कि आगामी दस वर्षों में पर्यटन

आधारित अर्थव्यवस्था में भारत का स्थान विश्व में तीसरा हो जाएगा। देश में इस दौरान लगभग एक करोड़ नये रोजगाार का इस क्षेत्र में सृजन होने की उम्मीद है। वर्ल्ड ट्रेवल एंड टूरिज्म कौंसिल द्वारा जारी रिपोर्ट में इस आशय की संभावनाओं की ओर इशारा किया गया है। अभी देश में लगभग चार करोड़ लोग टूर एंड टूरिज्म इंडस्ट्री के माध्यम से प्रत्यक्ष अथवा अप्रत्यक्ष तौर पर आजीविका हासिल कर रहे हैं।

देश की अर्थव्यवस्था के विभिन्न पहलुओं पर नजर रखने वाले अर्थशास्त्रियों और नीति निर्धारकों ने लगभग एकमत से स्वीकार किया है कि देश में उपलब्ध पर्यटन क्षमता का समुचित रूप से इस्तेमाल नहीं किया जा रहा है। इस दिशा में अधिक प्रभावी व कारगर कदम उठाए जाने की आवश्यकता है। इसी नीति के तहत विभिन्न पर्यटन केंद्रों को प्रमुख छोटे-बड़े शहरों से जोड़ने के लिए दूरसंचार, सड़क और वायु परिवहन की अधिकाधिक सुविधा उपलब्ध कराने के लिए भारी निवेश की व्यवस्था की जा रही है। इसके अलावा परंपरागत पर्यटक केंद्रों के आसपास बुनियादी सुविधाएं व नए पर्यटन केंद्रों को विकसित करने पर जोर दिया जा रहा है। इस पूरे परिदृश्य से स्पष्ट होता है कि आगामी वर्षों में पर्यटन प्रबंधन तथा पर्यटक से जुड़े अन्य क्षेत्रों के विशेषज्ञों की बड़ी संख्या में मांग होगी। यह अवसर सरकारी से ज्यादा निजी क्षेत्रों में होने की अधिक संभावना जताई जा रही है।

पर्यटन प्रबंधन डिप्लोमा धारी व्यक्तियों के पर्यटक सूचना केंद्रों, ट्रैवल एजेंसी, होटल समूहो, विभिन्न हवाई कंपनियों के कार्यालयों टूर ऑपरेटर कंपनियों पर्यटन से जुड़ी पत्र-पत्रिकाओं, पर्यटक गाइड आदि में क्षेत्रों में काम करने का मौका अपेक्षाकृत आसानी से मिल सकता है। इस क्षेत्र में महिला कर्मियों की मांग भी तेजी से बढ़ने की पूरी संभावना है। पर्यटन प्रबंधन डिप्लोमा डिग्री धारी महिलाओं को विशेष रूप से उन पदों पर नियुक्ति के समय वरीयता दी जाती है जहां स्वागत करना या सूचना उपलब्ध कराने जैसे काम होते हैं। इसके पीछे तर्क दिया जाता है कि महिलाएं पुरुषों के मुकाबले कहीं अधिक सौम्य व मृदुभाषी होती है। वे नवागंतुक पर्यटक को आसानी से बातें समझा सकती है। टूरिस्ट गाइड के रूप में काम करने के अवसर इस क्षेत्र में संख्या की दृष्टि से सर्वाधिक कहे जा सकते हैं। कुछ वर्षों तक पर्यटन क्षेत्र के विभिन्न पहलुओं का अनुभव हासिल करने के बाद पर्यटन प्रबंधन प्रशिक्षण संस्थानों और विश्वविद्यालयों के पर्यटन शिक्षा में अध्यापन भी किया जा सकता है। देश में पर्यटन से जुड़े लगभग सभी प्रशिक्षण पाठ्यक्रम ग्रेजुएशन के बाद के स्तर के हैं। विश्वविद्यालयों में पर्यटन क्षेत्र के भावी विस्तार को भांपते हुए पर्यटन शिक्षा विभाग तेजी से विकसित हो रहे हैं। इनमें मास्टर आफ टूरिज्म एडमिनिस्ट्रेशन सरीखे स्नातकोत्तर पाठ्यक्रम आयोजित किए जा रहे हैं। दो वर्ष की अवधि वाले इन पाठ्यक्रमों में दाखिला पाने की मारामारी को देखते हुए लगभग प्रत्येक संस्थान प्रवेश परीक्षा के आधार पर दाखिला देता है। इन विश्वविद्यालयों के अतिरिक्त निजी प्रशिक्षण संस्थानों में भी अंशकालिक, पूर्णकालिक डिप्लोमा प्रशिक्षण उपलब्ध है। असल में पर्यटन डिप्लोमा डिग्री हासिल करने के बाद स्वरोजगार के क्षेत्र में पदार्पण करने के लिए राहें भी खुलती है। इसीलिए जरूरी नहीं कि लंबे अरसे तक नौकरी के लिए आवेदन भेज कर हाथ पर हाथ रखकर खाली बैठा जाए। टूर ऑपरेटर और ट्रैवल एजेंट जैसे काम बहुत कम पूंजी से शुरू किए जा सकते हैं। इसके लिए जरूरी नहीं कि आपके पास दो चार बस या कार हो। आप ट्रैवल एजेंट के तौर पर बुकिंग कर अन्य बस आपरेटरों से बस किराए पर लेकर भी टूर आयोजित करवा सकते हैं और अच्छा खासा कमीशन कमा सकते हैं। जिनमें स्थानीय साइट सीन, पर्यटक भ्रमण कार्यक्रम से लेकर तीर्थ यात्रा टूर, दूरदराज के पर्यटक स्थलों तक आदि मुख्य है।

अब तो विदेशों में स्वीटजरलैंड, पेरिस, थाईलैंड, हॉन्गकांग, सिंगापुर, लंदन, अमेरिका, कनाडा, मालदीप, नेपाल जैसी जगहों के लिए भी पैकेज टूर बनाए जाने लगे हैं। इनमें स्थानीय भ्रमण से लेकर हवाई यात्रा और होटल में ठहरने तक का समस्त खर्च सम्मिलित होता है। तमाम हवाई कंपनियों के अधिकृत टिकट विक्रेता एजेंट के रूप में भी बेची गई टिकटों पर निर्धारित प्रतिशत कमीशन की कमाई की जा सकती है। आज अधिकांश सरकारी व निजी विश्वविद्यालयों में पर्यटन प्रशिक्षण के कोर्स चलाए जा रहे हैं। इसके अलावा भी देशभर में अनेकों निजी संस्थान पर्यटन के विभिन्न क्षेत्रों का प्रशिक्षण देती है। प्रशिक्षण के पश्चात सर्टिफिकेट भी दिए जाते हैं। राजस्थान पर्यटन विभाग समय-समय पर प्रदेश में गाइडों के प्रशिक्षण शिविर आयोजित करता है। जिसमें प्रशिक्षण प्राप्त कर चयनित गाइडों को विभाग द्वारा गाइड का प्रमाण पत्र प्रदान किया जाता है। देश के अन्य राज्यों में भी इसी तरह के विभिन्न पाठ्यक्रमों का संचालन किया जा रहा है। जहां अध्ययन व प्रशिक्षण प्राप्त कर व्यक्ति पर्यटन के क्षेत्र में अपना कैरियर बना सकता है।

आज के समय में जहां हर देश की पहली जरूरत अर्थव्यवस्था को मजबूत करना हैं वहीं आज पर्यटन के कारण कई देशों की अर्थव्यवस्था पर्यटन उद्योग के इर्द-गिर्द घूमती है। यूरोपिय देश, तटीय अफ्रीकी देश, पूर्वी एशियाई देश, कनाड़ा, आस्ट्रेलिया आदि ऐसे देश है। जहां पर पर्यटन उद्योग से प्राप्त आय वहां की अर्थव्यवस्था को मजबूती प्रदान करता है। पर्यटन विश्व का सबसे बड़ा क्षेत्र है। जो वैश्विक स्तर पर सकल घरेलू उत्पाद (जीडीपी) में 11 प्रतिशत योगदान देता है। भारत में यह अभी भी 6.23 प्रतिशत ही है। जबकि पड़ोसी देशों चीन (8.6), इण्डोनेशिया (9.2), मलेशिया (12.9), श्रीलंका (8.8) तथा थाइलैण्ड (13.9) है जो हमसे बहुत अधिक है।

वर्तमान में भारत वैश्विक यात्रा व पर्यटन विकास सूचकांक-2024 में 15 स्थान की छलांग लगाकर 39वें स्थान पर पहुंच गया है। 2021 में भारत 54 वें पायदान पर था। सूचकांक में अमेरिका पहले, स्पेन दूसरे, जापान तीसरे, फ्रांस चौथे और ऑस्ट्रेलिया पांचवें स्थान पर है। वहीं, जर्मनी छठे, यूनाइटेड किंगडम सातवें, चीन आठवें और इटली नौवें स्थान पर काबिज हैं।

प्रकाशक: दैनिक घटती-घटना

केजरीवाल की अग्नि परीक्षा

चौदह वर्ष के वनवास के बाद रावण को मार कर और सीता को मुक्त करवा कर जब राम जी वापस अयोध्या आए तो उन्होंने कहा कि प्रजा को विश्वास दिलवाने के लिए उन्हें अपनी पवित्रता

सिद्ध करने के लिए अग्नि परीक्षा देनी होगी ! यद्यपि यह नारी का अपमान है, ऐसा बहुत से राम भक्त भी मानते हैं । कोरोना काल में कहते हैं कि दिल्ली की सरकार ने एक नई आबकारी नीति बनाई जिसमें शराब कारोबारियों को ज्यादा कमीशन मिला । इस ज्यादा कमीशन का कुछ हिस्सा रिश्वत के तौर पर अरविन्द केजरीवाल और उसके साथियों को मिला, ऐसा आरोप ई.डी. लगा रही है । इसी सिलसिले में पहले मनीष सिसोदिया, फिर संजय सिंह फिर अरविन्द केजरीवाल कैद हुए । लम्बे समय बाद काफी कानूनी लड़ाई लडने के बाद इन्हें जमानत मिली । केजरीवाल की जमानत के साथ कई शर्तें हैं । केजरीवाल जब तक वे जेल में रहे उन्होंने त्यागपत्र नहीं दिया । परन्तु बाहर निकलने के बाद अचानक उन्होंने त्यागपत्र देने की घोषणा कर दी । 17 सितम्बर को आतिशी को अंतरिम मुख्यमंत्री के रूप में पेश किया गया । इसी दिन एल.जी. के सामने अरविन्द केजरीवाल ने त्यागपत्र दे दिया । आतिशी से मुख्यमंत्री के दावेदारों में कई नाम चर्चा में थे । परन्तु शायद आतिशी के मृद व्यवहार के कारण लगा कि वह महिला होने के नाते अफसरों से आसानी से काम करा सकेंगी । वैसे वे सबसे ज्यादा पढ़ी लिखी हैं । उन्होंने इंग्लैण्ड से एम.ए. किया है । सन् 2013 से वे आम आदमी पार्टी से जुड़ी हैं । परन्तु अरविन्द केजरीवाल ने एक और घोषणा की है कि वे चुनाव के दौरान जनता के पास जायेंगे और कहेंगे कि यदि वे बेईमान हैं तो उन्हें वोट न दें और यदि जनता समझती है कि वे ईमानदार हैं तो वोट दें । अब बड़ा घपला है । मान लें कि जनता अरविन्द केजरीवाल को फिर से चुन लेती है तो फिर कौन सी अदालत बड़ी है? जनता की? या कानून की?असल में दिल्ली में असली पावर एल.जी. के पास रहती है । तो क्या केजरीवाल एक्साइज पॉलिसी की स्वीकृति एल.जी. से ली थी या नहीं? फिर यदि नहीं भी ली थी तो एल.जी. और केन्द्रीय गृह मंत्रालय क्या कर रहा था कि दिल्ली में यह घपला चलता रहा? दिल्ली पुलिस क्या कर रही थी? भाजपा जो आज इतनी आलोचना कर रही है, वह क्यों नहीं तभी सक्रिय हुई । फिर यह बात भी लीगल एक्सपर्ट बतलाएंगे कि यह मामला ई.डी. और सी.बी.आई. दोनों में कैसे चल रहा है । यदि गोवा के इलेक्शन में इतना पैसा लगा तो चुनाव आयोग क्या कर रहा था? तभी क्या गोवा की पुलिस या गोवा की इंटेलिजेंस को कुछ भी मालूम नहीं पड़ा । सबसे बड़ी बात यह है कि मनीष सिसोदिया, या संजय सिंह या अरविन्द केजरीवाल के पास से एक भी पैसा बरामद नहीं हुआ ? तो फिर पैसा कहां गया? असल में यदि अग्नि परीक्षा में केजरीवाल सफल हो जाते हैं और जनता उन्हें फिर से चुनती है तो क्या होगा? यह यक्ष प्रश्न है । देखें आगे क्या होता है??

-अजय दीक्षित-

फिर पुराना दौर लौट आए,यह भी नहीं लगता

श्रीनगर में चुनाव का भूत सिर चढ़ कर बोल रहा है। चारों ओर राजनीति पर चर्चा है। शहर के रहवासी अपनी शिकायतों की फेहरिस्त सुनाने की बजाए कौनसा उम्मीदवार सबसे बेहतर है, इस बारे में बातचीत करने और कयास लगाने में अधिक मशगूल हैं। अफवाहों का बाजार गर्म है। हर मिनट एक नई बात, एक नई अटकल सामने आ रही है। हवा भी गर्म है। इस बार सितंबर में घाटी आश्चर्यजनक और असामान्य रूप से गर्म है। लोग नतीजों का पूर्वानुमान लगा रहे हैं। उत्सुकता है और उत्तेजना भी। लोगों में चुनावों में भागीदारी का जज्बा है। चुनावी माहौल वैसा ही है जैसा कि आजकल होता है ङ्क शोरगुल कम है और यह अनुमान लगाना मुश्किल कि किसके पक्ष में मूड़ है।घाटी का कौना-कौना रंग-बिरंगा और खूबसूरत है। माहौल आकर्षक और लुभावना है। मिसाल के तौर पर डल झील पर 22 सितंबर की दोपहर नेशनल कान्फ्रेंस ने शिकारा रैली की। सामान्यत ̄ डल झील और उसके आसपास बड़ी संख्या में पर्यटक जमा रहते हैं। लेकिन आज वहां चुनावी हलचल और उससे जुड़ा तामझाम नजर आ रहे थे। श्रीनगर में ऑटोरिक्शों पर झंडे और पोस्टर नहीं होते बल्कि डल झील में तैर रहे शिकारों पर लगे होते हैं।सुबह 11 बजे, डल झील के घाट नंबर 7 पर रैली में भाग लेने वाले और उसकी खबर देने वाले लोग जमा हो चुके हैं। लाल, सफेद और नीले रंग के शिकारों पर नेशनल कान्फ्रेंस का लाल झंडा लहरा रहा था और उन पर पार्टी के सदस्य, कार्यकर्ता, समर्थक और मीडियाकर्मी सवार होते हुए। साफ लगा आज शिकारों का सफर अलग ही होना है।उमर अब्दुल्ला, दिल्ली में नेशनल

कान्फ्रेंस के तेजतर्रार चेहरे आगा सैयाद रूहुल्ला मेहंदी, अपने बचपन के मित्र शम्मी ओबेराय, अपने दोनों पुत्रों जमीर और जहीर, ज़ादिमल से पार्टी के उम्मीदवार तनवीर सादिक और अन्य लोगों के साथ हैवन इन लेक' (झील में जन्नत) नाम के शिकारे पर सवार हैं। आसमानी नीले रंग के इस शिकारे में वाकई उसके नाम के अनुरूप सारी सुख-सुविधाएं मौजूद हैं। लकड़ी की दो कुर्सियां और एक मेज है, जिस पर प्लास्टिक के फूल सजे हुए। एक पिकनिक बास्केट है जिसमें डेविडऑफ कॉफी और अन्य छोटी-मोटी चीजे़ं रखी हैं। ऐसा लगता है कि उमर अब्दुल्ला जहां भी जाते हैं, कॉफी उनके साथ होती है। बताया जाता है कि इस पूरे चुनावी अभियान के दौरान उनका पहला काम होता है अपने लिए एक कप स्ट्रांग काफी तैयार करना। ब्लू टोकाई उनकी पहली पसंद है। उसकी महक और स्वाद का आनंद लेकर ही वे अपना चुनाव अभियान शुरू करते हैं। हो सकता है यह उनका अंधविश्वास हो, इसे वे भाग्यशाली मानते हों या यह दिखावा हो।बहरहाल जो भी हो, उमर अब्दुला ने अपनी शिकारा रैली की शुरूआत भी गर्म कॉफी के एक कप के साथ की। इसके बाद उन्होंने शिकारे की यात्रा का आनंद लिया। वे शिकारे के आगे की ओर आए, उन्होंने नेशनल कान्फ्रेंस का झंडा लहराया, मीडिया कर्मियों को तस्वीरे खींचने का मौका दिया, वे हंसे, उन्होंने बातचीत की और हल्की-फुल्की चर्चा की। उन्होंने यात्रा का मज़ा लिया तो मीडिया ने भी। उनके शिकारे के पीछे अन्य शिकारे थे जिन पर एनसी के झंडे लहरा रहे थे और संगीत बज रहा था। घाट 7 से चार चिनार तक शिकारे डल झील के मटमैले और गहरे पानी में गए।आसमान में सूर्य चमक रहा था और रास्ते में कई हाउसबोट, काफी शेक और आईस्क्रीम की छोटी-छोटी दुकानें थी। मेरा शिकारा, जिसमें मीडियाकर्मी स्त्री-पुरूष थे, जैसे ही हैवन इन लेक' की सीध में आया, मैंने आगा सैयद रूहुल्ला मेहदी से सवाल किया कि चुनाव जीतकर सत्ता में आने पर शुरूआती 100 दिनों में एनसी की सर्वोच्च प्राथमिकता क्या होगी? जवाब था ÷जम्मू और कश्मीर विधानसभा केन्द्र सरकार के अनुच्छेद 370 हटाने के फैसले के खिलाफ एक प्रस्ताव पारित करेगी÷. इस बीच मीडियाकर्मी उमर अब्दुल्ला को डल झील में कूदकर तैरने के लिए प्रेरित कर रहे थे जैसा उनके पिता डॉ. फारूख अब्दुल्ला ने 2001 में किया था।पर हालात बदल गए हैं, न डल पहले जैसी साफ है और न कश्मीर अब पहले जैसा स्वच्छ है, उसकी कालजयी खूबसूरती में बढ़ती व्यापारिक गतिविधियों के चलते गिरावट है। लेकिन राजनेता पहले जैसे ही हैं। तीसरी पीढ़ी के नेता उमर अब्दुल्ला परिवार की चौथी पीढ़ी के साथ चल तो रहे हैं, लेकिन उनकी सोच अतीत में अटकी हुई है। वे खोखले हो चुके अनुच्छेद 370 का मुद्दा उठा रहे हैं जब कि लोग महंगाई और बेरोजग़ारी से परेशान हाल हैं। यह शिकायत मुझे कश्मीर में हर जगह पुरूषों और महिलाओं से सुनने को मिली। लेकिन उमर और उनकी पार्टी अतीत की बातों में ही उलझी हुई है। जब मेरा शिकारा बाकी काफिले से अलग होकर दक्षिण दिशा में मुड़कर वापिस घाट 7 की ओर बढने् लगा, तब मुझे शिकारों की एक और पंक्ति नजर आई जिसमें इंजीनियर राशिद का प्रचार किया जा रहा था। उसमें तेज संगीत के साथ दूसरे नैरेटिव की चर्चा थी।सवाल है करीब तीन दशकों तक चली हिंसा और फूहड़ राजनीति के बाद, अनुच्छेद 370 हटाने और अमन-शांति के आभास के बीच, भविष्य कैसा नजर आ रहा है?मैं जब शिकारे से उतर रही थी और डल झील सूरज की पीली रौशनी से चमक रही थी तब मेरे मन में विचार आया कि क्या अभी भविष्य बूझना संभव है? अभी नहीं। चुनावी जोश और उत्तेजना का यह दौर नए भविष्य का इस्तकबाल करे, यह भी नहीं लगता तो फिर पुराना दौर लौट आए, यह भी नहीं लगता।

-श्रुति व्यास-

तुम ही बताओ क्या लिखूं मैं कैसे लिखू

रवींद्र कुमार शर्मा
घुमारवीं
बिलासपुर
हिमाचल प्रदेश

देखकर आजकल के हालात
बयॉं नहीं कर पाऊँ अपने जज्बात
कहीं पर मज़हब भारी पड़ रहा
कहीं पर हो रही जात पात
तुम ही बताओ क्या लिखूं मैं कैसे लिखू

बेटियां क्यों नहीं सुरक्षित
क्यों नहीं कोई कुछ कर पाते
झूठे दिलासे दे देकर सभी को
आखिर कब तक रहोगे फुसलाते
तुम ही बताओ क्या लिखूं मैं कैसे लिखू

भ्रष्टाचार का हर तरफ बोलबाला
मंदिरों के प्रशाद तक को नहीं छोड़ा
डुगडुगी जितनी भी बजा लो हर तरफ
पर बुरी तरह है इसने सबको निचोड़ा
तुम ही बताओ क्या लिखूं मैं कैसे लिखू

जनसंख्या का हो रहा विस्फोट
दिनों दिन जमीन घटती जा रही
एक परिवार बंट गया कई हिस्सों में
छोटे छोटे टुकड़ों में बंटती जा रही
तुम ही बताओ क्या लिखूं मैं कैसे लिखू

साधु भेष धर कर ठग रहे लोगों को
बाबाओं के पीछे लोग रहे भाग
राम रहीम आशा राम जैसे चले गए जेल
अंधभक्त लोग फिर भी नहीं रहे जाग
तुम ही बताओ क्या लिखूं मैं कैसे लिखू

मेक इन इंडिया पहल के 10 साल आज पूरे हो गए

आज आप में से प्रत्येक का अभिनंदन करने का शानदार अवसर है जिन्होंने इस पहल को अत्यंत सफल बनाया है। आप में से प्रत्येक व्यक्ति अग्रणी, दूरदर्शी और अन्वेषक है जिनके अथक प्रयासों से ही 'मेक इन इंडिया' की सफलता सुनिश्चित हुई है, और इस तरह से हमारा देश वैश्विक आकर्षण एवं जिज्ञासा का केंद्र बन गया है। इस अथे क सामूहिक प्रयास से ही एक सपने ने एक अत्यंत प्रभावशाली आंदोलन या मुहिम का रूप ले लिया है।

मेक इन इंडिया' का ठे यापक प्रभाव यह दर्शाता है कि भारत की प्रगति थमने वाली नहीं है।

यह एक ऐसा अहम प्रयास था जो दस साल पहले इस महत्वाकांक्षी लक्ष्य के साथ शुरू हुआ था- विनिर्माण में भारत की प्रगति को और तेज करना, और इसके साथ ही यह सुनिश्चित करना कि हमारा जैसा प्रतिभाशाली राष्ट्र केवल आयातक ही नहीं, बल्कि निर्यातक भी बने।

पिछले एक दशक पर विचार करते समय मैं इस बात पर गर्व महसूस किए बिना नहीं रह सकता कि 140 करोड़ भारतीयों की अपार क्षमता और कौशल ने हमें कितना आगे बढ़ा दिया है। 'मेक इन इंडिया' की छाप सभी क्षेत्रों में दिखाई देने लगी है जिनमें वे क्षेत्र भी शामिल हैं जिनमें हमने अपनी अमिट छाप छोड़ने का सपना कभी भी नहीं देखा था। मैं यहां एक-दो उदाहरण प्रस्तुत करता हूं।

मोबाइल का विनिर्माण...

हम सभी यह जानते हैं कि मोबाइल फोन अब कितने अहम हो गए हैं, लेकिन चौंकाने वाली बात यह है कि वर्ष 2014 में हमारे यहां पूरे देश में केवल दो मोबाइल विनिर्माण इकाइयां थीं। आज यह संख्या बढ़कर 200 से भी अधिक हो गई है। हमारे देश से मोबाइल निर्यात मात्र 1,556 करोड़ रुपये से ऊंची छलांग लगाकर 1.2 लाख करोड़ रुपये के आश्चर्यजनक आंकड़े को छूने लगा है - यह 7500 प्रतिशत की आश्चर्यजनक वृद्धि को दर्शाता है! आज भारत में इस्तेमाल होने वाले 99 प्रतिशत

मोबाइल फोन सही मायनों में 'मेड इन इंडिया' हैं। हम पूरी दुनिया में दूसरे सबसे बड़े मोबाइल निर्माता बन गए हैं। हमारे इस्पात उद्योग पर एक नजर डालें तो हम विशुद्ध रूप से तैयार स्टील के निर्यातक बन गए हैं, जिसका कुल उत्पादन वर्ष 2014 से लेकर अब तक 50 प्रतिशत से भी अधिक बढ़ गया है।

हमारा सेमीकंडक्टर विनिर्माण क्षेत्र 1.5 लाख करोड़ रुपये से भी अधिक का निवेश आकर्षित करने में सफल रहा है, जिसमें पांच संयंत्रों को मंजूरी दी गई है जिनकी संयुक्त क्षमता प्रतिदिन 7 करोड़ से भी अधिक चिप्स की होगी!

नवीकरणीय ऊर्जा के क्षेत्र में हम पूरी दुनिया में चौथे सबसे बड़े उत्पादक देश हैं जिसमें कुल क्षमता केवल एक दशक में 400 प्रतिशत बढ़ गई है।

हमारा इलेक्ट्रिक वाहन उद्योग जोरदार उछाल के साथ 3 अरब डॉलर का हो गया है, जो वर्ष 2014 में तो एक तरह से अस्तित्व में ही नहीं था।

रक्षा उत्पादों का निर्यात मात्र 1,000 करोड़ रुपये से ऊंची छलांग लगाकर 21,000 करोड़ रुपये हो गया है, जो अब तो 85 से भी अधिक देशों में पहुंच गया है।

'मन की बात' कार्यक्रम के दौरान, मैंने एक जीवंत खिलौना उद्योग की आवश्यकता के बारे में बात की थी और हमारे लोगों ने दिखाया कि यह कैसे किया जाता है! पिछले कुछ वर्षों में, हमने निर्यात में जहां 239त्र की वृद्धि देखी है, वहीं, आयात आधे से भी कम हो गया है, जिसका विशेष रूप से हमारे स्थानीय विनिर्माताओं और विक्रेताओं को लाभ हुआ है, छोटे बच्चों का तो कहना ही क्या!

आज के भारत के कई प्रतीक

हमारी वंदे भारत ट्रेनें,ब्रह्मोस मिसाइलें और हमारे हाथों में मोबाइल फोन

सभी पर गर्व के साथ मेक इन इंडिया लेबल नजर आता है। इलेक्ट्रॉनिक्स से लेकर अंतरिक्ष क्षेत्र तक, इससे भारतीय प्रतिभा और गुणवत्ता का पता चलता है।

-नरेंद्र मोदी-

प्रकाशक: दैनिक घटती-घटना

समाचार पत्र में छपे समाचार एवं लेखों पर सम्पादक की सहमति आवश्यक नहीं है। हमारा ध्येय तथ्यों के आधार पर सटिक खबरें प्रकाशित करना है न कि किसी की भावनाओं को ठेस पहुंचाना। सभी विवादों का निपटारा अम्बिकापुर न्यायालय के अधीन होगा।

12 दिन के अंदर पांच पण्डो जनजाति की मौत

- सवाददाता -
अंबिकापुर,26 सितम्बर 2024 (घटती-घटना)।

विशेष संरक्षित जनजाति के उत्थान के लिए कई योजनाएं चलाई जा रही है लेकिन उनके बीच इसका लाभ नहीं पहुंच पा रहा है। इसका खामियाजा है कि विशेष संरक्षित जनजाति की जान तक जा रही है। बलरामपुर जिले के रामचंद्रपुर ब्लॉक मैं इनके जीवन रक्षक योजनाओं का लाभ न मिलने के कारण 12 दिनों में पांच पण्डो जनजाति की मौत हो गई है। मौत का मुख्य कारण शरीर में खून की कमी, बुखार आना व प्रसव के दौरान जच्चे बच्चे की मौत होना शामिल है। सर्व विशेष पिछड़ी जनजाति सामज कल्याण समिति के प्रदेशाध्यक्ष ने स्वास्थ्य सुविधाओं की कमी एवं योजनाओं के क्रियान्वयन में लापरवाही की शिकायत सरगुजा कमिश्नर जीआर चुरेंद्र व संयुक्त संचालक स्वास्थ्य अनिल शुक्ला से की है।

ग्राम तालकेश्वरपुर ब्लॉक रामचंद्रपुर निवासी किसमतिया पण्डो पति रामदेव पण्डो 32 वर्षीय गर्भवती थी स्थानीय स्वास्थ्य विभाग कर्मचारियों द्वारा देख-रेख, समय पर रिफर नहीं करने पर बिलंब से मेडिकल कॉलेज अम्बिकापुर में पहुंची थी , एलएससीएस आपरेशन के बाद जच्चा-बच्चा दोनों की मौत 24 अगस्त को हो गई। इसके कुछ दिन बाद

ग्राम धौली ब्लॉक रामचंद्र पुर निवासी कलावती पंडो पति राजेन्द्र पण्डो 38 वर्षीय की मौत 1 सितंबर को हो गई। यह भी गर्भवती थी और 31 जुलाई को लेबर पेन होने पर 102 एंबुलेंस सेवा के लिए लगभग 11 बजे रात में फोन किया गया एंबुलेंस सेवा नहीं मिलने पर मरीज के परिजन प्राईवेट वाहन व्यवस्था करके सुबह 5 बजे सनावल सरकारी अस्पताल में लेकर पहुंचे। यहां 1 घंटे के बाद वाड्रफनगर अस्पताल के लिए रेफर किया गया, वाड्रफनगर अस्पताल में 1 सितंबर को मौत हो गई।

टीबी बिमारी से ग्रस्त महिला की मौत

ग्राम पीपर पान पारा चौराखाड ब्लॉक रामचंद्र पुर निवासी

फुलकुंवर पण्डो पति नन्हकेश्वर पण्डो उम्र 55 वर्ष टीबी बिमारी से ग्रस्त थी घर पर ही 4 सितंबर को मौत हो गई। मौत के मामले में सर्व विशेष पिछड़ी जनजाति समाज कल्याण समिति छत्तीसगढ़ प्रदेश उदय पण्डो का कहना है की टीबी बिमारी का निःशुल्क इलाज,निशुल्क दवाइयां कुछ प्रोत्साहन राशि भी मिलता है इन सभी योजनाओं के बाद भी टीबी बिमारी से पण्डो विशेष पिछड़ी जनजाति परिवार टीबी बिमारी से निजात नहीं पा रहे हैं। इसके लिए स्वास्थ्य विभाग को संज्ञान में लेते हुए सभी सुविधाओं को धरातल पर क्रियान्वयन किया जाना चाहिए ताकि गरीब अनभिज्ञ परिवारों का जान के साथ खिलवाड़ न हो।

खून की कमी से 2 को मौत

ग्राम टाटीआथर ब्लॉक रामचंद्र पुर निवासी रामबसावन पण्डो पिता बासदेव पण्डो उम्र 50 वर्ष को सांस लेने में दिक्कत, शरीर में खून कमी, टीबी बिमारी का लक्षण, खांसी इत्यादि समस्याओं से ग्रस्त था। 5 सितंबर को 108 एंबुलेंस से वाड्रफनगर सरकारी अस्पताल में भर्ती कराया गया था। वहां इलाज के दौरान 6 सितंबर को उसकी मौत हो गई। वहीं सुरेन्द्र पण्डो पिता रामदेव पण्डो उम्र 23 वर्ष ग्राम ओरंगा ब्लॉक रामचंद्र पुर निवासी के शरीर मे खून कम होने के कारण घर पर ही 6 सितंबर को मौत हो गई।

अभिकारियों को समाज के पदाधिकारी ने कराया अवगत

सर्व विशेष पिछड़ी जनजाति समाज कल्याण समिति छत्तीसगढ़ प्रदेश उदय पण्डो ने आयुक्त सरगुजा संभाग, संयुक्त संचालक, संभागीय स्वास्थ्य सेवाये सरगुजा संभाग, कलेक्टर बलरामपुर, मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी बलरामपुर को ज्ञापन सौंपकर गंभीर समस्या से अवगत कराया है। उदय पंडितों ने ज्ञापन के माध्यम से अधिकारियों को बताया है कि पण्डो विशेष पिछड़ी जनजाति निवासरत गांवों बहसाहटो में डोर टू डोर स्वास्थ्य परीक्षण, स्वास्थ्य शिविर आयोजित करने, जन-जागरूकता शिविर, पण्डो जनजाति परिवारों को मच्छर दानी वितरण,पोषण आहार वितरण महिला बाल विकास विभाग की ओर से, वाटर क्लोरिनेशन,समय पर एंबुलेंस सुविधा उपलब्ध कराने संबंधित अतिशीघ्र उचित कार्रवाई करते हुए असुविधाओं को लेकर निराकरण कराने व लापरवाही करने वाले कर्मचारियों के विरुद्ध कार्रवाई करने का बात कही गई है, ताकि पण्डो विशेष पिछड़ी जनजाति अनभिज्ञ परिवारों का अकाल मृत्यु न हो।

चोरों ने डेली नीड्स व पान दुकान से नगदी सहित 25 हजार का सामान पार

- संवाददाता -
अंबिकापुर, 26 सितम्बर 2024 (घटती-घटना)।

शहर के कलेक्टोरेट परिसर से लगे डेली नीड्स दुकान व पान गुमटी में चोरी की घटना को अंजाम दिया। इसके पहले भी इस इलाके में कलेक्ट्रेट के दो नंबर गेट के सामने में स्थित एक गुमटीनुमा दुकान में चोरी की वारदात को अंजाम दिया गया था। आए दिन हो रही चोरियों से लोग सकते में हैं।

जानकारी के मुताबिक कलेक्ट्रेट परिसर के पास स्थित आईटीआई कॉलोनी में रहने वाले कृष्णा स्वामी के डेली नीड्स दुकान में चोरों ने बुधवार-गुरूवार की दरम्यानी रात धावा बोलकर 15 हजार रुपये नगद और लगभग 5 हजार रुपये के डेली नीड्स सामानों को पार कर दिया। सुबह लगभग 6 बजे टहलने के लिए निकले रविशंकर सिंह की नजर दुकान के शटर पर पड़ी तो ताला नहीं लगा था। पास जाने पर ताले का एक-एक पार्ट्स शटर के पास पड़ा था। रविशंकर ने इसकी जानकारी स्वजनों को दी। उन्होंने बताया कि रोजाना की भांति रात 10 बजे दुकान बंद करके वे घर चले गए थे। दुकान के गल्ला में 15 हजार रुपये रखा था, जिसे उन्होंने लॉक नहीं किया था चाबी उसी में लगा था। अंदर जाने पर डेली नीड्स का काफी सामान गायब मिला और गल्ला में रखा रुपये भी नहीं था। मोहल्ले के लोगों ने बताया कि इलाके में आए दिन चोरियों की वारदात हो रही है, जबकि यहां निगम के कमिश्नर का बंगला सहित चंद फासले पर रिंग रोड में विधायक अंबिकापुर के अलावा वरिष्ठ पुलिस व प्रशासन के अधिकारियों का आवास है। मोहल्ले के लोगों ने बताया कि इसके बाद भी गश्त के नाम पर पुलिस की खानापूर्ति हो रही है। सामान्य आने-जाने वालों से तो पुलिस पूछताछ करते शहर में नजर आ जाती है,लेकिन वास्तव में जो अपराधिक घटनाओं, चोरी की वारदातों को अंजाम देने देर रात सक्रिय रहते हैं,वे इनकी नजरों में नहीं आ पाते हैं। रविशंकर ने बताया कि बुधवार को देर रात 2.45 बजे अज्ञात व्यक्ति बाइक स्टार्ट करते मंदिर के रास्ते से होकर रिंग रोड की ओर निकला है, संबंधित व्यक्ति कौन है, उसका हुलिया पता नहीं चल पाया है। इसी क्रम में चोरों ने कलेक्ट्रेट के गेट नंबर 2 के सामने स्थित हरसिंगार मिश्रा के पान ठेला को भी निशाना बनाया है। ठेला को क्षतिग्रस्त करके चोर छिटपुट सामान ले गए। इनके यहां लगभग 4 माह पहले भी चोरी की वारदात हुई थी, घटना की सूचना पुलिस को दी गई लेकिन चोरों का सुराग नहीं मिला। वहीं बीते शनिवार को इसी स्थल पर राहुल चैबे के गुमटी का चादर काटकर ठेला में रखे लगभग 15 हजार रुपये का सामान और 2300 रुपये नगद चोर ले गए थे। सुबह टहलने के लिए निकले लोगों ने ठेला में बनाए गए सुराख को देखा और इसकी जानकारी गुमटी संचालक को दी थी। दुकान पहुंचने पर पता चला कि चोरों ने गुमटी को पूरी तरह से खाली कर दिया था। बहरहाल सिलसिलेवार चोरी की घटना को अंजाम देने वाले चोर पुलिस के लिए भी चुनौती बन गए हैं।

दुकान से नगदी और चांदी की मूर्तियां चोरी

शहर के खरसिया रोड निवासी संदीप अग्रवाल के मनेन्द्रगढ रोड में स्थित श्याम आलू भण्डार में घुसे चोरों ने तीन हजार रुपये नगद और चांदी की मूर्तियों को चोरी कर लिया। घटना पूर्व 23 सितम्बर,सोमवार को रात करीब 8 बजे रोजाना की भांति दुकान बंद करके संचालक अपने घर चले गए थे। अगले दिन 24 सितम्बर को मंगलवार होने के कारण उन्होंने दुकान नहीं खोला था। 25 सितम्बर, बुधवार को सुबह करीब 10 बजे वे अपना दुकान खोलने के लिए पहुंचे तो उनके दुकान और ऑफिस का ताला टूटा था। ऊपर का छत का दरवाजा भी मुड़ा हुआ था। दुकान के गल्ला में रखा करीब 3 हजार रुपये और पूजा रूम में रखा चांदी का भगवार श्री गणेश, हनुमान व मां लक्ष्मी की मूर्ति नहीं थी। दुकान में लगे सीसीटीव्ही फुटेज को चेक करने पर एक व्यक्ति दुकान के छत के दरवाजे से घुसकर दुकान में प्रवेश करते नजर आया और गल्ला खंगालने के साथ पूजा रूम में रखे चांदी की मूर्तियों को चोरी करके ले गया। रिपोर्ट पर पुलिस केस दर्ज कर चोरों के तलाश में लगी है।

सड़क दुर्घटनाओं में सबसे अधिक मृत्यु दोपहिया वाहन चालकों की

- संवाददाता -
अंबिकापुर,26 सितम्बर 2024 (घटती-घटना)।

सड़क दुर्घटनाओं के कारणों के समुचित विश्लेषण तथा आवश्यक सुधार कार्यो हेतु इंटीग्रेटेड रोड़ एक्सीडेंट डाटाबेस (आईआरडीए) में सड़क दुर्घटनाओं की शत प्रतिशत प्रविष्टियां अंकित करने तथा हिट एण्ड रन के क्षतिपूर्ति प्रकरणों को निर्धारित समयावधि में दावा प्राधिकरण को प्रेषित कर प्रभावितों को यथाशीघ्र राहत हेतु पहल सहित सड़क दुर्घटनाओं के नियंत्रण के उपायों के संबंध में प्रदीप गुप्ता अतिरिक्त पुलिस महानिदेशक (यातायात) की अध्यक्षता में वर्चुअल समीक्षा बैठक संपन्न हुई। इस बैठक में एआईजी टैफिक संजय शर्मा सहित अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक अमोलक सिंह ढिल्लों एवं यातायात प्रभारी उप निरीक्षक विजय कैवर्त्य, आई रेड के डीआरएम शिवराम परिडा सम्मिलित हुए।

बैठक में मालवाहक वाहनों में यात्री परिवहन,ओव्हर स्पीडिंग, सड़को में खड़े वाहनों से होने वाली दुर्घटना सहित, सड़क दुर्घटनाओं में सबसे अधिक मृत्यु दोपहिया वाहन चालको की परिलक्षित हुई हैं, नियम तोड़ने वाले वाहन चालकों को निरूत्साहित किया जाकर प्रभावी समझाईश के साथ नियमित प्रवर्तन से जीवन रक्षा के प्रयास किये जाय। दुर्घटनाजन्य सड़क खण्डों में प्रभावी प्रवर्तन कार्यवाही हेतु लक्ष्य निर्धारण कर कार्ययोजना तैयार कर कार्यवाही सुनिश्चित करें। हिट एण्ड रन के प्रकरणों के प्रभावितों के दावा प्रकरण हेतु आवश्यक जानकारी संकलित कर यथाशीघ्र प्रेषित करें, इंटीग्रेटेड रोड़ एक्सीडेंट डाटाबेस में यथासमय शत-प्रतिशत प्रविष्टियां की जावे। पुलिस मुख्यालय से प्रदत्त सुरक्षा सामग्रियों विशेषकर इटरसेप्टर एवं बॉडी वार्न कैमरा का सतत् उपयोग सुनिश्चित किया जावे। सरगुजा जिले के सभी थाना/चौकी व यातायात प्रभारी द्वारा सड़क दुर्घटनाओं को रोकने एवं यातायात नियमों के प्रति जागरूकता लाने की दिशा में प्रभावी तौर पर कार्य किया जा रहा है। सभी सड़क दुर्घटनाओं के संबंध में पूर्ण विवरण आई-रेड पोर्टल पर अपलोड किया जा रहा है। साथ ही साथ यातायात नियमों का पालन नहीं करने वाले वाहन चालकों के विरूद्ध लगातार कार्यवाही किया जा रहा है।

कर्मचारी-अधिकारी फेडरेशन का धरना-प्रदर्शन आज

- संवाददाता -

अंबिकापुर, 26 सितम्बर 2024 (घटती-घटना)। कर्मचारी-अधिकारी फेडरेशन सरगुजा ने कलेक्टोरेट एवं परिसर में संचालित विभिन्न कार्यालयों में 27 सितम्बर को एक दिवसीय सामूहिक अवकाश के लिए आवेदन पत्र भरवाने गुरूवार को विशेष अभियान चलाया। इन्हें शुक्रवार को भारतीय स्टेट बैंक कलेक्टोरेट शाखा के सामने दिए जाने वाले धरना की जानकारी दी गई। इनकी प्रमुख मांगों में केन्द्र के समान मंहगाई भत्ता, गृह भाड़ा भत्ता, लंबित एरियर्स, चार स्तरीय वेतनमान, 240 दिन अवकाश नगदीकरण को 300 दिन करना है। इस दौरान अध्यक्ष कर्मचारी-अधिकारी फेडरेशन कमलेश सोनी, अध्यक्ष राजपत्रित अधिकारी संघ डॉ. सीके मिश्रा, संरक्षक कौशलेंद्र पांडे, आनंद यादव, नवीन केशरी, अमित सिंह, संजय यादव, शीतल बहादुर, संजय सिंह, संतोष शर्मा, भारतेंदु वर्मा, इन्दरजीत देवांगन, राजेन्द्र जायसवाल उपस्थित थे।

उल्टी-दस्त से पीड़ित परिवारों से मिलने पहुंचे पूर्व उप मुख्यमंत्री

- संवाददाता -
अंबिकापुर, 26 सितम्बर 2024 (घटती-घटना)।

ग्राम जगदीशपुर में उल्टी-दस्त की बीमारी फैलने और एक व्यक्ति की मृत्यु की सूचना पर गुरुवार को पूर्व उपमुख्यमंत्री टीएस सिंहदेव रायपुर से अम्बिकापुर ट्रेन से पहुंचने के उपरांत तत्काल ग्राम जगदीशपुर पहुंच वहां की स्थिति का जायजा लिये। विगत 1 सप्ताह से लगातार जगदीशपुर में उल्टी-दस्त की बिमारी के फैलने की शिकायत आ रही थी। उल्टी-दस्त के कारण गांव के बैसाखू राजवाडे की मौत भी हो गई। गांव में करीब 24 लोगों को उल्टी दस्त होने की जानकारी मिली है। उन्होंने प्रभावितों के घर जाकर उनसे मुलाकात की एवं उन्हें पानी उबाल कर पीने की सलाह दी है। उन्होंने प्रशासन को यह सलाह दी है कि गांव के हैण्डपम्प एवं पेयजल से संबंधित अन्य स्त्रोंतों के जल का परीक्षण कर संक्रमित स्त्रोतों का प्रतिबंधित करें। साथ ही उन्होंने यह भी कहा है कि स्वास्थ विभाग गांव में कैम्प लगाकर लोगों का इलाज करे।

मृतक ईश्वर के परिजन से मिलने पहुंचे सिंहदेव, सरकार से की मुआवजा की मांग

- संवाददाता -
अंबिकापुर,26 सितम्बर 2024 (घटती-घटना)।

छत्तीसगढ राज्य बनने के बाद मैने आजतक कानून व्यवस्था को इतना बदहाल नहीं देखा है। छत्तीसगढ का ऐसा कोई इलाका नहीं बचा है जहां अपराध सामान्य से हटकर घटित न हो रहा हो। स्व0 ईश्वर राजवाडे को श्रद्धांजली देने उसके निवास ग्राम सरईटिकरा पहुँचे टीएस सिंहदेव ने छत्तीसगढ की बिगडती कानून व्यवस्था पर यह बयान दिया है। उल्लेखनीय है कि 23 सितंबर को ईश्वर राजवाडे की रायपुर के तेलीबांधा में मेरिन ड्राईव तलाब के पास मोटरसायकल सवार 3 लोगों ने चाकू मारकर हत्या कर दी थी। हत्या के तुरंत उपरांत पूर्व उपमुख्यमंत्री ने छत्तीसगढ के डीजीपी अशोक जुनेजा को फोन कर आरोपियों के तत्काल गिरफ्तारी की मांग की थी। आरोपियों की गिरफ्तारी के बाद यह तथ्य स्पष्ट हुआ कि आरोपी नशा करते थे। इस पर उन्होंने कहा कि नशे पे नियंत्रण नहीं होने के कारण भी अपराध की स्थिति खराब हो रही है। ईश्वर राजवाडे के घर पर छत्तीसगढ के रजवार समाज के प्रदेश अध्यक्ष लखन राजवाडे भी मौजूद थे, उन्होंने समाज की ओर से मांग की है कि ईश्वर राजवाडे के हत्यारों को कठोर से कठोर सजा होनी चाहिये। उन्होंने परिवार को 25 लाख के क्षतिपूर्ति देने के साथ ही मृतक की पत्नी को अनुकंपा नियुक्ती देते हुए बच्चों को मुफ्त और उच्चस्तरीय शिक्षा उपलब्ध कराये जाने की मांग की है। वहां मौजूद पूर्व उपमुख्यमंत्री ने रजवार समाज के द्वारा की जा रही मांग के साथ अपनी सहमति जताते हुए कहा है कि मृतक अपने परिवार का एकमात्र कमाउ पुत्र था। ऐसे में परिवार को संबल देने के लिये रजवार समाज के द्वारा की जा रही मांग एकदम सही है। पूर्व उपमुख्यमंत्री के साथ औषधीय पादप बोर्ड के पूर्व अध्यक्ष बालकृष्ण पाठक, प्रदेश कांग्रेस के महामंत्री द्वितेन्द्र मिश्रा, कांग्रेस जिलाध्यक्ष राकेश गुप्ता एवं ब्लॉक कांग्रेस अध्यक्ष हेमंत सिन्हा भी मौजूद थे।

पेट्रोल लेने गए राजमिस्त्री का मोटरसाइकिल चोरी

- संवाददाता -
अंबिकापुर,26 सितम्बर 2024 (घटती-घटना)।

पेट्रोल लेने गए राजमिस्त्री का मोटरसाइकिल अंबिकापुर-रायगढ़ मार्ग में स्थित लुचकी घाट से अज्ञात चोरों ने पार कर दिया। लखनपुर थाना क्षेत्र के ग्राम तिरकेला निवासी संतोष यादव ने पुलिस को बताया है कि वह हाल में ग्रीन वैली वसुन्धरा कॉलोनी अंबिकापुर में रहकर राजमिस्त्री का काम कर रहा है। बीते 30 अगस्त को अंबिकापुर से रात करीब 11.30 बजे वह मोटरसाइकिल में ग्रीन वैली वसुन्धरा कॉलोनी जा रहा था, वहीं उसका भाई आशीष यादव अलग मोटरसाइकिल में था। लुचकीघाट के ऊपर मां काली मंदिर के पास उसके प्लेटिना मोटरसाइकिल क्रमांक सीजी 29 एसी 2683 का पेट्रोल खत्म हो गया था। इसके बाद वह मंदिर के पास अपनी मोटरसाइकिल को लॉक करके खड़ा कर दिया और अपने भाई आशीष यादव के मोटरसाइकिल से पेट्रोल पंप में पेट्रोल लेने के लिए चले गया। पेट्रोल लेकर वापस आया तो मोटरसाइकिल गायब थी। आसपास तलाश के बाद भी मोटरसाइकिल का पता नहीं चला। रिपोर्ट पर पुलिस ने अज्ञात चोर के विरूद्ध केस दर्ज कर लिया है।

यूएन महासभा के मंच से फ्रांस के राष्ट्रपति ने की भारत की वकालत,UNSC में स्थायी सीट का किया समर्थन

न्यूयॉर्क,26 सितम्बर 2024। संयुक्त राष्ट्र महासभा को संबोधित करते हुए फ्रांस के राष्ट्रपति इमैनुएल मैक्रों ने बड़ा बयान दिया है। दरअसल उन्होंने अपने संबोधन में संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद में विस्तार की जरूरत बताई और भारत को इसमें स्थायी सीट देने की वकालत की। गौरतलब है कि इससे पहले अमेरिका समेत कई प्रमुख राष्ट्र भी भारत को सुरक्षा परिषद में स्थायी सीट देने का समर्थन कर चुके हैं।

यूएन महासभा की बैठक में बोले फ्रांस के राष्ट्रपति

अपने संबोधन में इमैनुएल मैक्रों ने कहा कि %फ्रांस, सुरक्षा परिषद के विस्तार के पक्ष में है और जर्मनी, जापान, भारत और ब्राजील को भी सुरक्षा परिषद का स्थायी सदस्य होना चाहिए। साथ ही अफ्रीका से भी दो देशों को इसमें प्रतिनिधित्व मिलना चाहिए। गौरतलब है कि अमेरिका भी भारत को संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद में स्थायी सीट देने का समर्थन कर चुका है। बीते दिनों ही संयुक्त राष्ट्र में अमेरिकी की राजदूत लिंडा थॉमस ने भी अपने एक बयान में कहा था कि भारत, जापान और जर्मनी को संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद में स्थायी सीट दी जानी चाहिए। अमेरिकी राजदूत ने अफ्रीका के दो देशों को भी स्थायी सीट देने का समर्थन किया और अन्य अफ्रीकी देशों को सुरक्षा परिषद की अस्थायी सदस्यता देने की वकालत की थी।

हालांकि अमेरिका ने ब्राजील को सुरक्षा परिषद में स्थायी सीट देने पर साफ कोई जवाब नहीं दिया। अमेरिका ने कैरिबियाई देश और लैटिन अमेरिकी देशों को भी सुरक्षा परिषद में जगह देने का समर्थन दिया। भारत, लंबे समय से सुरक्षा परिषद में सुधार की मांग कर रहा है और अब जैसे जैसे भारत की वैश्विक मंच पर अहमियत बढ़ रही है तो दुनिया के कई देश भी भारत को सुरक्षा परिषद में शामिल करने का समर्थन दे रहे हैं।

बेरूत के दक्षिणी उपनगरों में इस्राइल के ताबड़तोड़ हमले,हिजबुल्ला के ड्रोन कमांडर को किया ढेर

बेरूत, 26 सितम्बर 2024। इस्राइल ने बेरूत अपार्टमेंट इमारत पर हवाई हमले में हिजबुल्ला के एक ड्रोन कमांडर को मार गिराया है। इस्राइली सेना ने इसका दावा किया है। दरअसल, बेरूत के दक्षिणी उपनगरों में गुरुवार को इस्राइली हमले में हिजबुल्ला कमांडर को निशाना बनाया गया था। सूत्रों के मुताबिक, इस्राइल की सेना ने एलान किया कि घोषणा की है कि वह लेबनान की राजधानी में जगह-जगह छापे मार रही है।

सूत्रों ने बताया कि हिजबुल्ला कमांडर को निशाना बनाकर इस्राइली हमला किया गया। यह एक सप्ताह में क्षेत्र में हिजबुल्ला कमांडरों को निशाना बनाकर किया गया चौथा हमला है। 21 दिनों के युद्ध विराम की बातचीत के बीच लेबनान में इस्राइली हवाई हमलों में 81 लोग मारे गए और 403 घायल हो गए थे। इस्राइली सेना ने दक्षिणी लेबनान में कई गांवों और कस्बों पर बमबारी की थी। साथ ही लेबनानी बेक्का को निशाना बनाकर हवाई हमले किए और कई शहरों पर छापा मारा था।

इससे पहले इस्राइली सेना ने गुरुवार को दावा किया कि उसने रात के दौरान लेबनान में हिजबुल्ला के लगभग 75 ठिकानों पर हमला किया, जिसमें लेबनानी सशस्त्र समूह के गोला-बारूद के डिपो भी शामिल थे। इसके अलावा फलस्तीन में इस्राइली सेना ने हेब्रोन के एक शहर पर धावा बोला। सेना ने घरों पर छापा मारा और कई नागरिकों को हिरासत में लिया।

जी20 विदेश मंत्रियों की बैठक में शामिल हुए जयशंकर, अंतरराष्ट्रीय वित्तीय संरचना में सुधार की मांग

न्यूयॉर्क,26 सितम्बर 2024। विदेश मंत्री डॉ. एस. जयशंकर ने 25 सितंबर 2024 को न्यूयॉर्क में जी20 देशों के विदेश मंत्रियों की बैठक में शामिल हुए। यह बैठक ब्राजील की अध्यक्षता में आयोजित की गई थी और यह ब्राजील की अध्यक्षता में विदेश मंत्रियों की दूसरी बैठक थी। यह बैठक संयुक्त राष्ट्र महासभा से इतर हुई। ट्रोइका सदस्य के रूप में बैठक में बोलते हुए विदेश मंत्री ने वैश्विक शासन सुधार के तीन प्रमुख क्षेत्रों - संयुक्त राष्ट्र और उसके सहायक निकायों में सुधार; अंतर्राष्ट्रीय वित्तीय संरचना में सुधार और बहुपक्षीय व्यापार प्रणाली में सुधार की मांग दोहराई।

जी-20 की दूसरी विदेश मंत्रियों की बैठक में एस जयशंकर ने एक बार फिर संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद में सुधारों की जोरदार वकालत की। भारतीय विदेश मंत्री ने कहा कि, संयुक्त राष्ट्र अतीत का कैदी बना हुआ है। दुनिया एक स्मार्ट, आपस में जुड़ी और बहुध्रुवीय क्षेत्र में विकसित हो गई है। संयुक्त राष्ट्र की स्थापना के बाद से इसके सदस्यों की संख्या चार गुना बढ़ गई है। फिर भी संयुक्त राष्ट्र अतीत का कैदी बना हुआ है। उन्होंने कहा कि, इसका परिणाम ये हुआ है कि संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद अंतर्राष्ट्रीय शांति और स्थिरता बनाए रखने में संघर्ष करती दिख रही है। जिससे उसकी प्रभावशीलता और विश्वसनीयता कम होती जा रही है।

विदेश मंत्री एस जयशंकर ने एक अन्य कार्यक्रम में लाटविया की विदेश मंत्री, गुयाना के विदेश मंत्री, डीवी वर्ल्ड के सीईओ, वर्ल्ड इकॉनोमिक फोरम के अध्यक्ष के साथ शिरकत की इस कार्यक्रम का आयोजन मशहूर थिंक टैंक ऑब्जर्वर रिसर्च फाउंडेशन द्वारा किया गया। इस कार्यक्रम में वैश्विक अर्थव्यवस्था की चुनौतियों, अर्थव्यवस्था के लोकतंत्रीकरण, कनेक्टिविटी बढ़ाने आदि मुद्दों पर चर्चा हुई ताकि सतत विकास के लक्ष्यों को हासिल किया जा सके।

भारतीय मूल की लेखिका झुम्पा लाहिड़ी का बड़ा फैसला,नोगुची म्यूजियम से नहीं लेंगी अवॉर्ड

वॉशिंगटन,26 सितम्बर 2024। भारतीय मूल की लेखिका झुम्पा लाहिड़ी ने न्यूयॉर्क के नोगुची म्यूजियम से अवॉर्ड लेने से इनकार कर दिया है। उन्होंने केफियेह पर प्रतिबंध लगाए जाने पर नाराजगी जताते हुए यह फैसला लिया। हालांकि, म्यूजियम का कहना है कि वह पुलित्जर पुरस्कार विजेता झुम्पा के निर्णय का सम्मान करते हैं, लेकिन नई ड्रेस कोड पॉलिसी में केफियेह पर प्रतिबंध लगाया गया है।

बता दें, म्यूजियम ने केफियेह (काले या सफेद कपड़े) पहनने के आरोप में तीन कर्मचारियों को नौकरी से निकाल दिया था। दरअसल, केफियेह को फलस्तीनी एकजुटता के प्रतीक के रूप में देखा जाता है। इसी वजह से म्यूजियम ने नई ड्रेस कोड पॉलिसी लागू की थी, जिसके तहत केफियेह पर प्रतिबंध लगा दिया गया था।

कौन हैं झुम्पा लाहिड़ी?

झुम्पा लाहिड़ी का जन्म लंदन में हुआ था। वे एक आप्रवासी बंगाली भारतीय परिवार की बेटी हैं। जब वे तीन वर्ष की थीं तो उनका परिवार संयुक्त राज्य अमेरिका में रहने चला गया था। वे उपन्यास, निबंध और लघु कहानियां लिखने के लिए काफी प्रसिद्ध हैं। लाहिड़ी की बड़ी खासियत है कि उनकी लेखन शैली बहुत सरल है। उन्हें उनकी पुस्तक इंटरप्रेटर ऑफ मैलेडीज के लिए 2000 में पुलित्जर पुरस्कार मिला था।

अब उन्होंने गाजा में फलस्तीनियों के साथ एकजुटता दिखाने के लिए केफियेह पहनने वाले कर्मचारियों को नौकरी से निकाले जाने के बाद क्वींस के नोगुची म्यूजियम से अवॉर्ड लेने से इनकार कर दिया।

म्यूजियम ने क्या कहा?

एक मीडिया रिपोर्ट के अनुसार, म्यूजियम ने बुधवार को यह जानकारी दी। नोगुची म्यूजियम का कहना है, %पुलित्जर पुरस्कार विजेता लेखिका ने अपना नामांकन वापस ले लिया है। झुम्पा लाहिड़ी ने हमारी नई ड्रेस कोड पॉलिसी के जवाब में 2024 इसामु नोगुची पुरस्कार को नहीं स्वीकार करने का फैसला किया है। हम उनके दृष्टिकोण का सम्मान करते हैं और समझते हैं कि यह पॉलिसी सभी के विचारों से मेल नहीं खा सकती।

हालांकि, नई ड्रेस पॉलिस घुमने आए लोगों पर लागू नहीं होती है। न्यूयॉर्क में स्थित म्यूजियम ने कहा, हम समावेशिता और खुलेपन के अपने मूल्यों को बनाए रखते हुए इसामू नोगुची की कला और विरासत की समझ और प्रशंसा को आगे बढ़ाने के अपने मुख्य मिशन के लिए प्रतिबद्ध हैं।

पिछले महीने लगाया था केफियेह पर प्रतिबंध

पिछले महीने जापानी अमेरिकी मूर्तिकार इसामु नोगुची द्वारा स्थापित म्यूजियम ने एक पॉलिसी की घोषणा की थी। इसके तहत कर्मचारियों को काम के घंटों के दौरान राजनीतिक संदेश, नारे या प्रतीक से जुड़ा कुछ भी पहनने से मना किया गया था। केफियेह पहनने के आरोप में तीन कर्मचारियों को बर्खास्त कर दिया गया था। इस्राइल-गाजा युद्ध पर अपने रुख के कारण संयुक्त राज्य अमेरिका में अन्य लोगों को भी अपनी नौकरियां खोनी पड़ी हैं।

एक साल से जारी युद्ध

सात अक्तूबर को सबसे पहले फलस्तीन समर्थित हमास के लड़ाकों ने इस्राइल पर घुसकर हमला किया था और सैकड़ों लोगों को मार दिया था। करीब 250 लोगों को बंधक बनाकर गाजा ले गए थे। उसके बाद इस्राइल ने पलटवार करने का एलान किया और हमास के आखिरी लड़ाके को मार गिराने तक युद्ध समाप्त ना करने की कसम खाई।

संदीप लकड़ा हत्याकांड

सर्व आदिवासी समाज ने 60 किलोमीटर की निकली न्याय यात्रा

- संवाददाता -
अंबिकापुर,26 सितम्बर 2024 (घटती-घटना)।

सरगुजा जिले में चर्चित संदीप लकड़ा हत्याकांड में मुख्य आरोपी की गिरफ्तारी सहित 08 सूत्रीय मांगों को लेकर सर्व आदिवासी समाज की अगुवाई में बुधवार को अंबिकापुर से सीतापुर तक न्याय यात्रा निकाली गई। सीतापुर के धरना स्थल पर समाज के लोगों ने प्रकरण में पुलिस की जांच पर सवाल उठाया। अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक अमोलक सिंह ढिल्लो व एसडीएम रवि राही ने प्रकरण में अब तक हुई कार्रवाई को लेकर जानकारी दी। गोंडवाना गोंड़ सभा के प्रदेशाध्यक्ष व सेवानिवृत्त डीआईजी अकबर राम कोर्राम ने मुख्य आरोपी की अब तक गिरफ्तारी नहीं होने पर सवाल उठाए। उन्होंने गिरफ्तारी नहीं होने का कारण मुख्य आरोपी को राजनीतिक संरक्षण दिए जाने का भी आरोप लगाया। एसडीएम रवि राही ने कहा कि सभी

मांगों पर सकारात्मक पहल हुई है। हमारा आग्रह है कि मृतक के शव का अंतिम संस्कार स्वजन कर दें।

बहुचर्चित संदीप लकड़ा हत्याकांड मामले में मुख्य आरोपी अभिषेक पांडेय की गिरफ्तारी अब तक नहीं हो सकी है। जिसकी वजह से समाज नाराज है। वहीं दूसरी ओर पुलिस की कई टीमें आरोपी को ढूंढने के लिए कई राज्यों में तलाश कर रही है। सर्व आदिवासी समाज ने आज न्याय यात्रा निकालकर यह बता दिया है कि स्थिति न बिगड़े इसे लेकर मांगो को अविलंब पूर्ण किया जाए तथा शासन और प्रशासन को ध्यान दे। वही आने वाले दो-तीन दिनों में इसका समाधान शासन-प्रशासन को निकलना होगा। वरना 02 अक्टूबर को सर्व आदिवासी समाज कुछ बड़ा करने जा रही है।

बीच रोड में खड़ी कार को हटाने के लिए कहने पर जमकर मारपीट

- संवाददाता -
अंबिकापुर,26 सितम्बर 2024 (घटती-घटना)।

बीच रोड में खड़ी कार को किनारे करने के लिए कहना बलेनो कार सवार को नागवार गुजरा और वह दूसरे कार में सवार युवक के साथ जमकर मारपीट कर दिया। मारपीट में आहत युवक ने घटना की जानकारी कोतवाली थाना में दर्ज कराई है, जिस पर पुलिस ने केस दर्ज कर लिया है।

जानकारी के मुताबिक सतीपारा शिव मंदिर के सामने रहने वाला ओम सिंह सीए की तैयारी कर रहा है। बीते 25 सितम्बर को शाम करीब 4 बजे वह अपने दोस्त शिवेश गोस्वामी के साथ स्वयं के कार से अपने घर जा रहा था। तत्समय जयस्तंभ चैक के पास एक बलेनो कार बीच रोड में खडा था, जिस कारण वह अपनी कार को रोककर बलेनो कार के हटने का इंतजार करने लगा। कुछ देर में एक व्यक्ति बलेनो कार के पास आया तो उसने गाड़ी किनारे करने के लिए कहा। इससे आवेशित होकर युवक गाली-गलौज करते हुए अमर्यादित लहजे में बात करने लगा। गाली देने से मना करने पर उक्त युवक अपने अन्य साथियों को बुला लिया और सभी मिलकर गाली गलौज करते हुए कालर पकड़कर उसे गाड़ी से नीचे उतारते हुए हाथ-मुक्का से मारपीट करने लगे। गाड़ी से नीचे उतारने के बाद जान से मारने की धमकी देते हुये हाथ मुक्का, कड़ा, बेल्ट, रॉड से मारने लगे। इस दौरान साथी शिवेश गोस्वामी व मारपीट की जानकारी मिलने पर मौके पर पहुंचे ओम के भाई सूरज ने बीच-बचाव किया। मारपीट से युवक को शरीर के कई हिस्से में चोटें आई है। रिपोर्ट पर पुलिस ने केस दर्ज कर लिया है।

रेंड नदी के समीप ट्रेलर की चपेट में आए राहगीर की मौत

- संवाददाता -
लखनपुर,26 सितम्बर 2024 (घटती-घटना)।

अंबिकापुर-बिलासपुर राष्ट्रीय राजमार्ग 130 स्थित रेंड नदी के समीप सड़क पार करने के दौरान ट्रेलर की चपेट में आए राहगीर ग्रामीण की मौके पर ही मौत हो गई। सूचना पर घटनास्थल पहुंची लखनपुर पुलिस ने शव का पोस्टमार्टम करा परिजनों को सौंप दिया। मामले की जांच कर रही पुलिस ने ट्रेलर वाहन जप्त कर लिया है।

जानकारी अनुसार रघुनाथ राम पिता करीमन राम 55 वर्ष ग्राम जजगी निवासी बुधवार की शाम 7 बजे लकड़ी का लट्ठा कंधे में लेकर एनएच 130 सड़क को पार कर अपने घर जा रहा था। जैसे ही बीच सड़क पर पहुंचा तेज रफ्तार सरिया लोड ट्रेलर के चालक में लापरवाही पूर्वक वाहन चलाते हुए राहगीर का कुचल दिया। पेट के नीचे का हिस्सा बुरी तरह छत विक्षत होने से राहगीर की मौके पर ही मौत हो गई।सूचना उपरांत लखनपुर पुलिस मौके पर पहुंची और शव को मर्चुरी में रखा गया। अज्ञात ट्रेलर की पुलिस द्वारा खोजबीन की जा रही थी जिसमे लखनपुर पुलिस को सफलता मिली। सरिया लोड ट्रेलर क्रमांक यूपी 78 एचटी 2217 को जप्त कर थाने लाया गया।लखनपुर पुलिस द्वारा गुरूवार को शव का पोस्टमार्टम करा परिजनों को सुपुर्द किया गया। परिजनो की रिपोर्ट पर लखनपुर पुलिस ने मामले में अपराध दर्ज कर लिया है।

विकासखंड स्तरीय राष्ट्रीय सेवा योजना स्थापना दिवस का आयोजन

- संवाददाता -
उदयपुर, 26 सितम्बर 2024 (घटती-घटना)।

विकासखंड उदयपुर के समस्त राष्ट्रीय सेवा योजना इकाइयों ने संयुक्त रूप से स्थापना दिवस मनाया। इस आयोजन में शासकीय राजकुमार धीरज सिंह महाविद्यालय उदयपुर, शासकीय उच्चतर माध्यमिक विद्यालय सलका, उदयपुर, खमरिया डॉडगांव की हस्स इकाइयों ने भाग लिया।

कार्यक्रम का आयोजन रामगढ़ के पुरातात्विक एवं सांस्कृतिक महत्व की भूमि सीता बेंगरा और जोगिमादा की गुफाओं के पास हाथी पुल पर किया गया। इसमें सांस्कृतिक, बौद्धिक और शैक्षिक गतिविधियों को शामिल किया गया। कार्यक्रम की रूपरेखा शासकीय उच्चतर माध्यमिक विद्यालय सलका के कार्यक्रम अधिकारी ऋषि कुमार पांडे और शासकीय राजकुमार धीरज सिंह महाविद्यालय उदयपुर के कार्यक्रम अधिकारी उमेश कुमार द्वारा तैयार की गई थी।

कार्यक्रम में 366 विद्यार्थियों ने भाग लिया और उन्हें सीता बेंगरा, जोगिमारा, हाथी पुल, राम वन गमन पथ, विभिन्न वनस्पतियों, वन्य जीवों, पत्थरों और मूर्ति कला के बारे में जानकारी दी गई। स्वच्छता ही सेवा के अंतर्गत मानसिक स्वास्थ्य और प्रदूषण पर चर्चा की गई, जिसमें बताया गया कि वन्यजीवों को बल्ब के प्रकाश से प्रदूषण का सामना करना पड़ता है।

जिला संगठन के श्री खेमकरण अहिरवार ने विद्यार्थियों को अल्बर्ट आइंस्टीन, सचिन तेंदुलकर और पिकासो की कहानियों से प्रेरित किया। थाना प्रभारी कुमारी चंद्राकर ने जल संरक्षण के महत्व पर जोर देते हुए कहा कि प्रकृति और प्राकृतिक संसाधनों को बचाना अत्यंत आवश्यक है।

क्रमशः, शासकीय उच्चतर माध्यमिक विद्यालय सलका के प्राचार्य ने संयुक्त कार्यक्रम के लिए बधाई देते हुए राष्ट्रीय सेवा योजना के महत्व को बताया और कार्यक्रम अधिकारियों को बधाई दी। उन्होंने सात दिवसीय विशेष शिविर के आयोजन का आह्वान किया। श्री क्रांति कुमार रावत ने बताया कि 1998-99 में राष्ट्रीय सेवा योजना से मिली सीख आज भी उनके जीवन में महत्वपूर्ण है। सामाजिक कार्यकर्ता कन्हैया राम बंजारा ने अपने अनुभव साझा करते हुए स्वयंसेवकों को बधाई दी।

परमेश्वर प्रजापति और भारत लाल गुप्ता ने कार्यक्रम की प्रशंसा करते हुए इसे विचारों और सांस्कृतिक आदान-प्रदान का मंच बताया। कार्यक्रम की अध्यक्षता कर रही प्राचार्य डॉ. वंदना पांडे ने गीत के माध्यम से भारतीय संस्कृति और सभ्यता को जीवंत रखने का आह्वान किया। उन्होंने सभी स्वयंसेवकों को अच्छे नागरिक बनने की प्रेरणा दी।

कार्यक्रम में सहायक प्राध्यापक मुकेश कुमार रजक,कार्यक्रम अधिकारी शर्मा जी,राजकुमार यादव, प्राचार्य श्री गोविंद सिंह, व्याख्याता प्रवीण कुमार श्रीवास्तव और संतोष कुमार पांडे ने भी अपने विचार प्रस्तुत किए। स्थापना दिवस पर सभी इकाइयों के स्वयंसेवकों ने दो-दो सांस्कृतिक कार्यक्रम प्रस्तुत किए।

क्रमशः, कार्यक्रम में सभी स्वयंसेवकों की सक्रिय भूमिका रही, जिसमें सूरज कुमार, अनामिका सिंह, यशोदा, मनजीत और मानसी ने सक्रिय सहयोग प्रदान किया। कार्यक्रम का सफल संचालन कार्यक्रम अधिकारी उमेश कुमार ओहदार ने किया, जिन्होंने स्वयंसेवकों को मार्गदर्शन और अपने विचार प्रस्तुत किए।

समापन अवसर पर शासकीय उच्चतर माध्यमिक विद्यालय सलका के स्वयंसेवकों को राज्य कार्यक्रम अधिकारी नीता वाजपेई द्वारा निर्देशित स्वच्छता किट (टोपी, हैंड ग्लव्स, पेन, कॉपी) प्रदान की गई। समस्त अतिथियों, स्वयंसेवकों, प्राचार्यों, कार्यक्रम अधिकारियों और अन्य सहयोगियों का धन्यवाद ऋषि कुमार पांडे ने ज्ञापित किया। समापन पर सभी को भोजन प्रदान कर अपने-अपने घर भेजा गया।

CMYK

असफाक के बाद अब संजीत पर ठगी का मामला हुआ दर्ज

72 दिनों में दुगना करने के नाम से संजीत ने 40 लाख रुपए लिए पर देने के समय में भाग निकले

घटना मार्च 2024 का होने की वजह से पुराना धारा के तहत संजीत पर दर्ज हुआ 420 का मामला

72 दिनों में रकम दुगनी करने के नाम पर 40 लाख रुपये ठगे व्यवसाई से पिता पुत्र समेत तीन के खिलाफ अपराध दर्ज

संजीत अग्रवाल ने इम्तियाज़ खान से ठगा 40 लाख...संजीत के पिता व भाई भी थे ठगी में शामिल

-रवि सिंह-
सुरजपुर,26 सितम्बर 2024
(घटती-घटना)।

जिला सूरजपुर में दो ठगों ने लोगों को ऐसा ठगा की लोग कंगालपति बन गए और पानी पी पी कर गाली तो दे रहे हैं पर शिकायत करने में पीछे है, यही वजह है कि ठगने वाला अपने आप को मजबूत समझ रहा है और उसका कुच्छ नहीं होगा इसे लेकर वह अस्वस्थ है, जहां ठगने वाले ने 200 से अधिक लोगों को ठगा है पर उसके विरुद्ध शिकायत करने वाले सिर्फ दो व्यक्ति ही सामने आए, पहले शिकायत अंबिकापुर के एक व्यापारी ने की, जिस पर असफाक उल्लाह उनके पिता व उनके बहनोई पर भारतीय न्याय संहिता के तहत अपराध दर्ज हुआ, क्योंकि मामला जुलाई 2024 का था, वही दूसरा ठग जो संजीत अग्रवाल के नाम से जाना जाता है,उसके विरुद्ध इम्तियाज़ खान की शिकायत पर पुरानी धाराओं के तहत अपराध दर्ज हुआ, क्योंकि मामला मार्च 2024 का था जिस वजह से बीएनएस के तहत ना करके पुराना धारा 420 के तहत मामला दर्ज किया गया, इस मामले में भी संजीत के पिता व भाई भी शामिल थे, जिस वजह से तीनों के विरुद्ध अपराध दर्ज किया गया। सूरजपुर के दो चर्चित ठगो के विरुद्ध आखिर मामला दर्ज हो चुका है, अब बस इंतजार है तो पुलिस के द्वारा उस बड़ी कार्यवाही किए जाने का जिसका लोगो को इंतजार है,पुलिस इन दोनों ठगों से पता कर सके कि आखिर लोगों का पैसा ठग कर इन्होंने किया क्या? एक ठग जहां फरार है वहीं दूसरा ठग लोगों को यह भरोसा दिलाने के लिए दुकान खोलकर बैठा है कि मैं पैसा वापस करूंगा, पर सवाल यह है कि आखिर पैसा कहां से वापस करेगा? आखिर दुगना करने की स्कीम कहां से लाया था? तमाम तरह के सवाल इस मामले से जुड़े हैं जिसका जवाब अब पुलिस को ही ठगों से पूछना है और नियम विरुद्ध तरीके से दुगना करने के मामले का भंडाफोड़ करना है।

पुलिस दो शिकायत पर ही चाहेगी तो बड़ा भंडाफोड़ कर सकती है?

अभी तक पुलिस लाचार थी और शिकायत का बहाना ढूंढे बैठी थी पर अब जब शिकायत मिल गया है और पुलिस को भी पूरे ठगी से अवगत है पर उन्हें सिर्फ इंतजार था तो शिकायत का अब पुलिस को जब दो शिकायतकर्ता मिल चुके हैं तो क्या पुलिस इस सबसे बड़े जिले के ठगों का भंडाफोड़ कर पाएगी? क्या उस एंगल में जांच करेगी जिस एंगल में पुलिस को जांच की आवश्यकता है क्योंकि भले ही शिकायतकर्ता दो है पर ठगी तो करोड़ों की हुई है इन दो शिकायतों के शिकायतकर्ता के आधार पर पुलिस चाहे तो इस बड़े घोटाले का पर्दाफस कर सकती है?

संजीत ने पिता व भाई के साथ मिलकर अपने ही शहर के व्यक्ति को 72 दिनों में रकम दोगुना का प्रलोभन दे कर ठगा

ठगने व ठगाने वाला शहर की है, एक ही नगर में रहने के कारण दोनो में काफी पहचान है तथा आवेदक के घर अनावेदकगण पिता व दोनो भाई मिलकर आते थे, बैठते थे जिस कारण काफी घनिष्ठता भी हो गया था। आवेदक को अनावेदक गण ट्रेडिंग कंपनी शेयर मार्केट में कारोबार करने को कहते थे तथा उनके द्वारा यह भी कहा जाता था कि हम लोग 72 दिनों में रकम दोगुना करके दे देते हैं। आवेदक को उनके ट्रेडिंग कंपनी में पैसा लगाने का बार-बार प्रलोभन देने लगे तथा अक्सर आकर आवेदक से अनावेदकगण तीनो मिलकर कहते थे कि हमको पैसा दो तुम जितना पैसा दोगे उसका हम 72 दिनों में दुगना करके वापस करे देगें।

बच्चों के शादी के लिये रखे गये पैसे संजीत व उसके पिता भाई ने ठगे

जिनके प्रलोभन में आवेदक आ गया एवं अपने बच्चों के शादी के लिये रखे गये एफडी से ओड़ी कराकर तथा कुछ राशि अपने साला सोयब अहमद स्दिदीकी से लेकर अपने घर में कुल 40 लाख रूपये नगद दे दिया। संजीत अग्रवाल के पिता कन्हैया लाल अग्रवाल एवं संदीप अग्रवाल के द्वारा मुझे समझाईस दी गई कि आपका पैसा सुरक्षित रहेगा हम लोग हैं, आप का पैसे हमारी जिम्मेदारी है। उसके पश्चात आवेदक अनावेदकगण को 12 मार्च 2024 में 40 लाख रूपया दे दिया उसके पश्चात अनावेदकगण माह मई में आवेदक की पुत्री अलीशा खान के आई.सी.आई.सी.आई. बैंक शाखा सूरजपुर में संचालित खाता क्रमांक 749605000402 के माध्यम से 10 लखा 50 हजार रूपये वापस कर दिये तथा कहने लगे कि आपका रकम दोगुना हो गया है। इस प्रकार आपका रकम कुल 69 लाख 50 हजार रूपये हो गया है आप 29 लाख 50 हजार रूपये और दीजिए तो आपका कुल मूलधन 1 करोड़ रूपया हो जायेगा और मई माह के 72 दिनों के बाद आपको 2 करोड़ रूपये हम लोग प्रदान करेगें तभी आवेदक को तीनो अनावेदकगण के उपर शंका होने पर कि उनके द्वारा कहीं ठगी तो नहीं किया जा रहा है, तभी आवेदक अनावेदकगणों से 69 लाख 50 हजार रूपये वापस माँगे जाने पर टाल मटोल कर समय व्यतीत करते हुये कहने लगे कि अभी उक्त राशि हम लोगों के खाता में नहीं आ पाया है। आवेदक जब अनावेदक के उक्त खाते को चेक कराया तो उसे ज्ञात हुआ कि उसके खाते में पर्याप्त राशि नहीं है तब आवेदक कई बार जाकर अनावेदक, उसके भाई एवं पिता के पास जाकर उक्त बात बताते हुये ली गई रकम वापस माँगने पर गोल मटोल जवाब देकर समय को व्यतीत करने लगे तभी आवेदक को जात हुआ कि सूरजपुर नगर छोड़कर फरार हो गया है। उसके पिता व भाई ली गई रकम वापस करने से साफ इंकार कर दिये तब आवेदक को पूर्ण विश्वास हो गया कि तीनो पिता-पुत्र मिलकर आवेदक की राशि का ठगी कर लिये हैं। हाल ही में शिवप्रसादनगर के असफाक उल्लाह पर भी ठगी के आरोप लगे है। जिसकी जांच भी पुलिस कर रही है।

ट्रेडिंग कंपनी शेयर मार्केट में 72 दिनों में पैसा दोगुना करने का झांसा देकर संजीत ने प्रार्थी से ठगा 40 लाख

ठगी के एक और मामले में कोतवाली पुलिस ने पिता पुत्र समेत तीन पर अपराध दर्ज किया है। पुलिस के अनुसार इम्तियाज खान ने आरोप लगाया है कि संजीत अग्रवाल, संदीप अग्रवाल, कन्हैयालाल अग्रवाल ने दिनांक 12 मार्च 2024 में रकम 72 दिनों में दोगुना करने का प्रलोभन देकर 40 लाख रूपये का ठगी किया है। पुलिस ने अपराध पंजीबद्ध कर विवेचना में लिया है। शिकायतकर्ता ने कहा शिकायत में बताया कि रकम दोगुनी करने का झांसा देकर 40 लाख रूपये की ठगी मेरे से संजीत व उसके परिवार के सदस्यों किया है।

आखिर लोगों का पैसा निवेश करने का अधिकार किसने दिया?...कहां से इन्होंने मान्यता प्राप्त की?...

ठगने वाले जिस तरह से लोगों को लाभ व लालच देकर सोशल मीडिया में अपना प्रचार प्रसार करके वह कई लोगों को लाभ पहुंचाने का उदाहरण प्रस्तुत करके निवेश के नाम पर ठग रहे थे और उनका पैसा कुछ दिनों में ही दुगना करने का दावा कर रहे थे,आखिर इन्हें यह पैसा निवेश करने की मान्यता किसने दी थी? आखिर किस कानून के तहत यह पैसा निवेश कर रहे थे? यह अब जांच का विषय हो चला है वह इसलिए भी हो चला है क्योंकि अब मामला पुलिस के पास अपराध दर्ज हो गया है और पुलिस के लिए यह भी अब पता करना उतना ही जरुरी हो गया है कि आखिर यह लोग पैसे का निवेश नियम से कर रहे थे या फिर नियम विरुद्ध तरीके से कर रहे थे? और यदि नियम विरुद्ध तरीके से कर रहे थे तो आखिर कहां कर रहे थे? सट्टा व जुआ खेल रहे थे या फिर कोई और अवैध काम कर रहे? यदि सूरजपुर पुलिस पूरे मामले को निष्पक्ष जांच करके लोगों के सामने रखती है तो सूरजपुर पुलिस की भी एक बड़ी उपलब्धि होगी और लोगों को भी यह पता चलेगा कि आखिर यह दोनों ठग निवेशकों को ठग कर आखिर करना क्या चाहते थे और क्या हासिल किया और क्यों लोगों को इन्होंने कंगाल किया?

पुलिस को सबसे पहले तो यह जानना होगा कि आखिर लोगों से ठगे हुए करोड़ों की राशि कहां खर्च की गई?...

पुलिस भले ही शिकायत पर दो अलग-अलग अपराध दर्ज कर ली है पर इन दोनों शिकायतों व मामलों के आधार पर पुलिस बड़े घोटाले का भंडाफोड़ कर सकती है यह बड़ा घोटाला इसलिए कहा जा रहा है क्योंकि यह घोटाला कम से कम 200 से 250 सौ करोड़ का मान जा रहा है बाकी चर्चाओं में तो 500 करोड़ की भी बात आ रही है पर 500 करोड़ की बात इसलिए मानाने योग नहीं है क्योंकि अभी तक सिर्फ 30 व 40 लाख के ही ठगने की शिकायत सामने आई है, आखिर यह दोनों ठगों ने इतना पैसा यदि लिया तो इन पैसों का उन्होंने किया क्या? आखिर यह पैसा वह कहां निवेश कर रहे थे? क्या लोगों को ठगने वाले खुद ठगा गए? या फिर सारा पैसा अंदर कर कुंडली मारकर बैठे हैं? या सारा पैसा ऐसो आराम में खर्च कर दिया? तमाम तरह के सवाल हैं जिसका पुलिस को जवाब भी इन ठगो से ही मिलेगा, इसके लिए पुलिस को कड़ा रुख अपनाना पड़ सकता है ताकि आने वाले समय में ऐसे ठगों से लोगों को बचाया जा सके।

क्या रेत माफिया के प्रति प्रशासन ने मुंधा आंख?

क्या खनिज विभाग अपने राजस्व को लेकर नहीं है चिंतित या फिर अपने जेब का राजस्व की है चिंता?

-विशेष संवाददाता-
उदयपुर,26 सितम्बर 2024
(घटती-घटना)।

शासन के लिए हर विभाग से राजस्व की उम्मीद होती है,राजस्व विभाग का वह खजाना है जो सरकार को चलाने के लिए अहम भूमिका निभाता है, पर क्या सरकारी अमल सरकार के राजस्व को बढ़ाने के तरफ कम कर रहे हैं या फिर अपने जेब का राजस्व बढ़ना ही उनकी पहली प्राथमिकता है यह सवाल तब खड़ा होता है जब रेत माफिया राजस्व अमला के होने के बावजूद सरकार को राजस्व की बहुत बड़ी क्षति पहुंचा रहे हैं फिर भी संबंधित विभाग आंख मुंधे क्यों बैठा है यह बड़ा सवाल है? छत्तीसगढ़ राज्य अंतर्गत सरगुजा जिले के उदयपुर विकास खण्ड में जजगी ग्राम के रेण नदी से रेत भरकर सड़कों पर लगातार दौड़ रहे हैं। प्रतिदिन रेत से भरे ट्रैक्टर और टीपर वाहनों की संख्या करीब 50 होगी। ऐसे में अंदाजा लगाया जा सकता है कि रेत माफिया किस तरह से प्रशासन की नाक के नीचे से रेत का अवैध उत्खनन परिवहन कर शासन को साल भर में लाखों रूपये का चुना लगा रहे हैं।

पूरी तरह से रोक लगाने में प्रशासन दिख रहा नाकाम

उदयपुर विकास खण्ड में जजगी ग्राम के रेण नदी से रेत का अवैध उत्खनन, परिवहन धड़ल्ले से चल रहा है। वहीं अगर सूत्रों की माने तो इन रेत माफियाओं को अवैध कारोबार चलाने के लिए बड़े राजनेताओं का संरक्षण मिल रहा है, जिनकी आड़ लेकर रेत माफिया अपना रेत का अवैध कारोबार चला रहे हैं। टीपर चालक से बात करने पर एक ट्रीप में दो सौ रूपये का खर्च बताया गया है। उदयपुर विकास खण्ड में रेण नदी जजगी, कंवलगिरी,देवटिकरा,मोहनपुर, कुमडेवा,केदमा एवं अन्य जगहों को मिलाकर लगभग आधा दर्जन से अधिक रेत के घाट है जहां से रेत माफिया और स्थानीय लोग सक्रिय होकर धड़ल्ले से रेत का अवैध रूप से उत्खनन और परिवहन कर रहे हैं। मौखिक और सोशल मीडिया के माध्यम से इन सब की सूचना प्रशासन को होने पर यदाकदा एक दो गाड़ियों पर कार्यवाही होती है लेकिन अवैध रेत उत्खनन एवं परिवहन पर पूरी तरह से रोक लगाने में प्रशासन नाकाम दिख रहा है, क्योंकि इन घाटों पर सरकारी नियंत्रण नहीं है। स्थानीय स्तर पर कुछ लोगों द्वारा बाहर के गाड़ियों से प्रति ट्रीप के हिसाब से वसूली की बात भी वाहन चालकों द्वारा बताई गई है। इस बारे में बात करने पर खनिज अधिकारी त्रिवेणी देवांगन ने बताया की कल टीम भेजूंगी।

ग्रामीण यांत्रिकी सेवा संभाग रामानुजगंज में पदस्थापना के समय की गई थी गड़बड़ी

4 करोड़ 20 लाख रुपए के घोटाले के मामले में कमिश्नर ने दिया जांच का आदेश

-संवाददाता-
रामानुजगंज,26 सितम्बर 2024
(घटती-घटना)।

मामला 4 करोड़ 20 लाख रुपए का भुगतान जितेंद्र कुमार देवांगन तत्कालीन कार्यपालन अभियंता ग्रामीण यांत्रिकी सेवा संभाग रामानुजगंज के द्वारा किए जाने एवं शासकीय राशि का गबन करने के संबंध में आपराधिक प्रकरण दर्ज कराए जाने हेतु डॉक्टर डी. के. सोनी अधिवक्ता एवं आरटीआई कार्यकर्ता द्वारा दिनांक 2/9/2024 को एक शिकायत आवेदन आयुक्त सरगुजा संभाग अंबिकापुर के समक्ष प्रस्तुत किया गया था जिसमें यह उल्लेख किया गया था कि जितेंद्र कुमार देवांगन वर्ष 2019 से 20221 तक कार्यपालन अभियंता के पद पर ग्रामीण यांत्रिकी सेवा संभाग रामानुजगंज में पदस्थ थे अपने पदस्थापना के दौरान जितेंद्र कुमार देवांगन के द्वारा करोड़ों रुपए का फर्जी बिल वाउचर लगाकर शासकीय राशि का गबन किया गया जिसके संबंध में सूचना के अधिकार के तहत ग्रामीण यांत्रिकी सेवा संभाग रामानुजगंज के कार्यालय से दस्तावेज प्राप्त किया गया उक्त दस्तावेज के आधार पर दिनांक 3/9/2019 से

लेकर दिनांक 4/9/2021 तक लगभग 4 करोड़ 20 लाख रुपए का भुगतान जितेंद्र कुमार देवांगन के द्वारा अपने हस्ताक्षर से किया गया है।

जितेंद्र कुमार देवांगन के द्वारा दिनांक 18/9/2019 को संतोष कुमार केसरी को लगभग 1431971/- रुपए का भुगतान फर्जी बिल वाउचर लगाकर किया गया है उक्त राशि में जो मेजरमेंट बुक का उल्लेख किया गया है वह भी फर्जी मेजरमेंट बुक बनाया गया है और उक्त दिनांक को संतोष केसरी को बिना काम का जितेंद्र कुमार देवांगन के द्वारा राशि का भुगतान किया गया है।

इसी प्रकार जितेंद्र कुमार देवांगन तत्कालीन कार्यपालन अभियंता के द्वारा दिनांक 23/10/2019 को मां अंबे को भी फर्जी एमबी के मध्यम से राशि 15,31,555/- का भुगतान किया गया है इसी प्रकार अन्य छोटे-छोटे राशि का भी भुगतान फर्जी बिल एमबी लगाकर तत्कालीन कार्यपालन अभियंता जितेंद्र कुमार देवांगन के द्वारा विनोद जायसवाल को दिनांक 25/10/2019 को किया गया है। दिनांक 29/11/2019 को बिना किसी आधार के जितेंद्र कुमार देवांगन के द्वारा 82705/- रुपए कैश निकल गया है उक्त राशि का भी कोई बिल वाउचर नहीं लगाया गया है तथा उक्त राशि किस मद से एवं किस कार्य के लिए लिया गया है का भी उल्लेख नहीं किया गया है दिनांक 28/2/2020 को मां अंबे कंस्ट्रक्शन को फर्जी एमबी बुक का उल्लेख करते हुए 564255/- रुपए का भुगतान किया गया है।

दिनांक 21/5/2020 को मे.दुबे कंस्ट्रक्शन को राशि 210401/- रुपए का भुगतान भी किया बिना काम का किया गया है ना तो उसमें एमबी नंबर का उल्लेख है और ना ही किस काम का भुगतान किया गया का भी उल्लेख कैशबुक में नहीं किया गया है साथ ही साथ 21/5/2020 को ही 52000/- सिर्फ निकल गया है लेकिन उक्त राशि का भी कोई बिल वाउचर नहीं किया गया है इसके अलावा दिनांक 22/5/2020 को मे. ब्रिज कंस्ट्रक्शन को 97591/- रुपए का भुगतान बिना बिल वाउचर के बिना एमबी के किया गया है उपरोक्त सभी राशि में मोटी कमीशन लिया गया है क्योंकि जितेंद्र कुमार देवांगन के द्वारा उपरोक्त ठेकेदारों से मिली भगत कर छोटी-छोटी राशियों के माध्यम से फर्जी एमबी एवं फर्जी बिल लगाकर राशि का भुगतान किया गया है। जितेंद्र कुमार देवांगन के कार्यपालन अभियंता ग्रामीण यांत्रिकी सेवा संभाग रामानुजगंज में पदस्थापना के अवधि के समय लगभग 4 करोड़ 20 लाख रुपए का भुगतान बिना किसी आधार और बिना किसी कार्य के किया गया है उपरोक्त अवधि में भुगतान किए गए समस्त राशि के कार्यो का भी विधिवत जांच कराया जाने हेतु आवेदन किया गया है जिसके आधार पर आयुक्त सरगुजा के द्वारा शिकायतकर्ता डॉक्टर डी.के सोनी के आवेदन एवं उसके साथ प्रस्तुत दस्तावेजों के आधार पर आयुक्त सरगुजा संभाग अंबिकापुर द्वारा दिनांक 9/9/2024 को कलेक्टर बलरामपुर- रामानुजगंज को शिकायत आवेदन पत्र में उल्लेखित तिथियां की जांच कराकर 15 दिवस के भीतर जांच प्रतिवेदन कार्यालय को उपलब्ध कराने का आदेश दिया गया है।

क्या निर्माण की गुणवत्ता देखने में विभाग के दिलचस्पी नहीं और ठेकेदार की मनमानी शासन के करोड़ रुपए को भ्रष्टाचार की भेंट चढ़ा रहा ?

क्या अधिकारी और ठेकेदार की मिली भगत से करोड़ों लागत से बना सड़क चढ़ा भ्रष्टाचार की भेंट ?

-सोनू कश्यप-
प्रतापपुर,26 सितम्बर 2024 (घटती-घटना)।

लोगों का टैक्स से लोगों को बेहतर सुविधा मिले इसके लिए सरकार काम करती है और लोग भी टैक्स देने में पीछे नहीं हटते पर सवाल वहां खड़ा होता है कि आखिर लोगों को टैक्स के पैसे होने वाला विकास कर आखिर भ्रष्टाचार की भेंट क्यों चढ़ता है? क्या वह पैसा सरकार का समझ कर खर्च किया जाता है या फिर उसे पैसे का कोई मोल नहीं है? यह बात इसलिए हो रही है क्योंकि लोगों के ही टैक्स के पैसे से देश, राज्य, जिला, गांव का विकास होता है पर उसे विकास में खर्च होने वाले पैसे का सदुपयोग होने की बजाय वह भ्रष्टाचार की भेंट भी चढ़ता है अक्सर ऐसा देखा भी गया है, इस बार हम बात कर रहे हैं सूरजपुर के प्रतापपुर विकासखंड की जहां पर जनता के टैक्स के पैसे से एक अच्छी सड़क बनाई जा रही थी जिसमें लोगों को चलकर विकास की सहानुभूति होती पर शायद यह सड़क विकास की सहानुभूति से पहले ही भ्रष्टाचार की भेंट चढ़ गया है, अब ऐसे में सवाल यह उठता है क्या अधिकारी जनता के पैसे से बनने वाली सड़क को ठेकेदार के भरोसे छोड़ दिया या फिर ठेकेदार अधिकारी की जेब भर के अपनी जेब भरने में लोगों के विकास के लिए बनने वाली सड़क को भ्रष्टाचार की भेंट चढ़ा दिया? प्रतापपुर क्षेत्र का विख्यात बाबा जलेश्वर नाथ शिवपुर धाम मंदिर के बगल से कई गांवों को जोड़ने वाली मुख्यमंत्री ग्राम सड़क योजना विकास एवं पंचायत राज विभाग के द्वारा बनाई जा रही थी, अधिकारी और ठेकेदार की मिली भगत से करोड़ों रुपए की सड़क बद से बत्तर आधा अधूरा निर्माण कर भ्रष्टाचार का भेंट चढ़ा दिए गया है। यह आरोप किसी अखबार का नहीं उस सड़क पर चलने वाले उन हजारो लोग का है जो विकास की कल्पना करके इस सड़क को बेहतर देखने की उम्मीद लगाए बैठे थे। ज्ञात हो कि कुछ दिन महीने पूर्व से बन रहे आधा अधूरा सड़क शिवपुर मंदिर के बगल से मुख्य मार्ग पहाड़ के रास्ते शिवपुर से चमनपुर, भैरोपुर, भुटका करीचलगली मिलाने वाला मुख्य मार्ग लगभग 6 किलोमीटर से अधिक की सड़क निर्माण करोड़ लागत से बनाई जा रही थी, इतना व्यापक तरीके से भ्रष्टाचार किया गया कि करोड़ों रुपए की लागत से बनने वाली सड़क महज कुछ महीने ही बनकर आधा अधूरा तैयार किया गया है जहां बनते के साथ ही यह कंक्रीट की सड़क में दरार आने लगी है और टूटने लगा है और सड़क से गिट्टी उछलने लगी है, जिसके वजह से पहली बरसात में ही कुछ महीने पूर्व ढलाई हुआ यह सड़क का गुणवत्ता का पोल खुल गया। जहां सड़क उखड़ना प्रारंभ हो गई है जिसकी गुणवत्ता को लेकर लोगों में आक्रोश फैला हुआ है।

> ने कहा कि मामला का जांच कर कलेक्टर सूरजपुर सहित मुख्यमंत्री ग्राम सड़क योजना के अधिकारियों को तत्काल जांच करने के लिए निर्देशित किया जाएगा तथा कलेक्टर सूरजपुर को जांच प्रतिवेदन भेजकर घटिया निर्माण के संबंध में कार्रवाई करने की अनुशंसा करती हू। तथा ठेकेदार कभी भुगतान रोका जाएगा।
>
> **ललिता भगत**
> **एसडीएम प्रतापपुर**

> ने कहा कि कार्य अभी चल रहा है घटिया निर्माण करने वाले ठेकेदार के ऊपर में कड़ी कार्रवाई की जाएगी भुगतान मौका जांच कर पैसा रोका जाएगा कार्य के गुणवत्ता खराब करने वाले ठेकेदार के ऊपर कार्रवाई होगी, धार्मिक स्थल शिवपुर रोड में घटिया सड़क निर्माण को बर्दाश्त नहीं किया जाएगा, मौके का निरीक्षण के लिए टीम गठित की जाएगी।
>
> **सानुज ध्रीतलहरे ईई मुख्यमंत्री ग्राम सड़क योजना सूरजपुर-**

भगवान के मंदिर तक जाने वाली सड़क को भ्रष्टाचारी ने छोड़ा

धार्मिक स्थल शिवपुर में लंबे समय बाद बन रहे इस सड़क मार्ग दर्शनार्थी सहित आवागमन के रास्तों को कम दूरी तय करती है। धार्मिक स्थल शिवपुर के सड़क में भ्रष्टाचार करने से भ्रष्टाचारी नहीं चुक रहे हैं। जिसमें कुछ लोगों की मिलीभगत भी सामने आ रही है। गुणवत्ताविहीन यह सड़क निर्माण कितने दिन चल पाएगी यह तो भगवान ही जाने। आधा अधूरा बने इस सड़क निर्माण में करीब चार जगह घाट का उतार चढ़ाव है। जहां पर घाट है वहां पर कंक्रीट का सड़क बनाना है। इसके बाद पुराने सड़क को उखाड़ कर बनान था, कई जगह जरूरत अनुसार पाइप का पुल बनाना था उसके बाद डीबीएम करने के बाद डामरीकरण करना था तभी जाकर गुणवत्तापूर्ण कार्य होता करने। मगर आनन फानन में बना रहे इस सड़क निर्माण में पुराना सड़क को उखाड़ कर उसके ऊपर में गिट्टी का डस्ट डाल दिया गया है जिससे लगे कि पुराना सड़क का डीबीएम कर नए सिरे से बनाया गया हो। तथा बरसात होने के साथ सड़क गुणवत्ता की पोल खुल गई सड़क जगह-जगह गड्ढों में तब्दील हो गया और कई जगह से सड़क बह गए अभी क्षेत्र में बरसात प्रारंभ भी नहीं हुआ उससे पूर्व इस तरह का नजारा देखकर इसके गुणवत्ता पर कई तरह के सवाल खड़े हो रहे हैं।

ग्रामीणों का आरोप

ग्रामीणों ने कहा कि जब सड़क का बेस सही नहीं बनाया गया है और दिखाने मात्र को पुराना सड़क उखड़ कर डामरीकरण करने का फिराक में अधिकारी और ठेकेदार लगे हुए हैं। वही धार्मिक स्थल शिवपुर सड़क मार्ग को लेकर ग्रामीणों में आम जनता में आक्रोश है तथा ठेकेदार और अधिकारियों पर कड़ी कार्रवाई की मांग किया जा रहा है। जो सड़क कम से काम बनने के साथ 10 वर्ष चले वह सड़क बनते के साथ जवाब दे दे रहा है तथा डामरीकरण के नाम से लीपा पोती कर दी गई है। बताया जा रहा है कि सड़क निर्माण सामग्री में घटिया स्तर का उपोग किया गया है। धार्मिक आस्था का केंद्र बना बाबा जलेश्वर नाथ शिवपुर धाम में जहां भाजपा व कांग्रेस के मुख्यमंत्री सहित विधायक सांसद व क्षेत्र के लाखों भक्तों का आस्था का केंद्र है। वही शिवपुर पहाड़ के नाम से प्रचलित उक्त स्थान में भ्रष्टाचार पर लगाम न लगा पाना शासन प्रशासन की पोल खोल रही है।

आगामी त्यौहार को देखते हुए पुलिस ने बड़े पैमाने पर अंतर्राज्यीय बसों का किया जांच

-संवाददाता-
कोरबा,26 सितम्बर 2024 (घटती-घटना)।

कोरबा पुलिस अधीक्षक कोरबा सिद्धार्थ तिवारी के दिशा निर्देशन एवं अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक यूबीएस चौहान एवं नेहा वर्मा के मार्गदर्शन में जिले के सभी राजपत्रित अधिकारी एवं थाना/चौकी क्षेत्र अंतर्गत आने वाले आगामी त्योहार को देखते हुए अप्रिय घटना, हादसा एवं संदिग्ध व्यक्तियों का जांच के लिए आकस्मिक अभियान चलाया गया। कोरबा पुलिस के अधिकारी एवं कर्मचारियों के द्वारा सजग कोरबा अभियान के तहत पुलिस टीम ने बीती रात को कटघोरा एवं कोरबा बस स्टैंड का आकस्मिक निरीक्षण किया गया। जिसमें दीगर राज्य से आने वाले बसों का बारीकी से जांच किया गया जिसमें बस में बैठे यात्रियों एवं उनके सामानों की जांच की गई साथ ही किसी भी प्रकार के आपत्तिजनक सामान की भी जांच की गई। आगामी आने वाले त्यौहार को देखते हुए पुलिस टीम के द्वारा बिहार, झारखंड, उत्तर प्रदेश, उड़ीसा एवं अन्य जिलों से आने वाली वाहनों को रात्रि में पुलिस के द्वारा चेक किया गया। टीम के द्वारा कटघोरा बस स्टैंड, कोरबा के नया बस स्टैंड एवं पुराना बस स्टैंड में आने जाने वाले यात्री बसों को चेक किया गया और 30 मुसाफिरी भी दर्ज की गई ।

राज्यपाल पुरस्कार में मिली सम्मान राशि शाला विकास कार्यों हेतु स्कूल को भेंट कर प्रधान पाठक विनिता सिंह ने पेश की मिसाल

चट्टीडांड़ स्कूल में राज्यपाल पुरस्कृत प्रधान पाठक के लिए आयोजित किया गया शिक्षक सम्मान समारोह

शाला प्रबंधन समिति,पालक शिक्षक समिति और शिक्षकों ने किया राज्यपाल पुरस्कृत प्रधान पाठक विनिता सिंह का सम्मान

-संवाददाता-
सूरजपुर,26 सितम्बर 2024 (घटती-घटना)।

शासकीय प्राथमिक शाला चट्टीडांड़ के प्रधान पाठक गौतम शर्मा के द्वारा पूर्व प्रभारी प्रधान पाठक कुमारी विनिता सिंह को राज्यपाल अवार्ड से सम्मानित होने के उपलक्ष्य में उनके सम्मान के लिए सम्मान समारोह कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम की शुरुआत मां सरस्वती के छायाचित्र के समक्ष दीप प्रज्जवलित कर किया गया। विद्यालय की छात्राएं कुमारी दिव्या? सारथी, कुमारी भूमि सारथी, कुमारी परी सारथी और कुमारी सोनम सारथी ने स्वागत गीत के माध्यम से विनिता सिंह का स्वागत किया,तत्पश्चात् प्रधान पाठक गौतम शर्मा ने विद्यालय परिवार की ओर से पुष्पगुच्छ भेंट कर उनका स्वागत-अभिनंदन करते हुए उन्हें राज्यपाल पुरस्कार से सम्मानित होने के लिए बधाई दी । कार्यक्रम में उपस्थित शाला प्रबंधन समिति, पालक शिक्षक समिति के सदस्यों और शिक्षकों ने भी पुष्पगुच्छ भेंट कर उनका स्वागत किया । प्रधान पाठक गौतम शर्मा ने स्वागत उद्बोधन दिया। इसके बाद संकुल केन्द्र जयनगर आजाक की संकुल प्राचार्य श्रीमती कलिस्ता अक्खड़ ने अपने उद्बोधन में प्रधान पाठक विनिता सिंह

को राज्यपाल अवार्ड मिलने के लिए बधाई देते हुए उनके कार्यों के बारे में बताते हुए उनकी सराहना करते हुए कहा कि यह क्षण हम सभी को गर्वान्वित करने वाला है । प्रधान पाठक विनिता सिंह के द्वारा राज्य स्तरीय शिक्षक सम्मान पुरस्कार के रूप में मिली पूरी सम्मान की राशि 21? हजार रूपए का चेक अपने पूर्व पदस्थ संस्था शासकीय प्राथमिक शाला चट्टीडांड़ के शाला विकास के कार्यों के लिए संस्था प्रमुख गौतम शर्मा को शाला प्रबंधन समिति? और पालक शिक्षक समिति की उपस्थिति में सौंपा और? कहा कि यह सम्मान राशि इसी विद्यालय का है, क्योंकि मुझे इसी विद्यालय के कार्यों के लिए इस पुरस्कार से सम्मानित किया गया है, इसलिए इस सम्मान राशि के हकदार यह विद्यालय है ।? इनके इस सराहनीय पहल की चट्टीडांड़ गांव के साथ पूरे शिक्षा जगत में काफी सराहना हो रही है कि किसी शिक्षक को उनके 15 वर्ष के कार्यों के लिये सम्मान स्वरूप जो सम्मान राशि दिया गया,जिसे उन्होंने शाला? विकास के कार्यों के लिए विद्यालय को भेंट कर दिया। विनिता सिंह अपने उद्बोधन में बच्चों को सम्बोधित करते हुए भाव-विभोर हो गई। कार्यक्रम की अगली कड़ी में विद्यालय परिवार की ओर से शाला प्रबंध समिति,पालक शिक्षक समिति और उपस्थित शिक्षकों ने उन्हें साल,श्रीफल,स्मृति चिन्ह और राजभवन के कार्यक्रम की तस्वीर भेंट कर उन्हें सम्मानित किया। उनके भूतपूर्व छात्र सुमित सारथी ने स्वयं की बनाई उनकी तस्वीर उन्हें भेंट किया। इस अवसर पर संकुल प्राचार्य श्रीमती कलिस्ता अक्खड़, शासकीय पूर्व माध्यमिक शाला रूनियाडीह के प्रधान पाठक सीमांचल त्रिपाठी, शासकीय पूर्व माध्यमिक शाला कन्या जयनगर के प्रधान पाठक हर्ष नारायण शर्मा, संकुल समन्वयक सहदेव राम रवि, सुशील ठाकुर, जितेन्द्र साहू, प्रधान पाठक श्रीमती जयंती भगत,अनुज राजवाड़े,श्रीमती नीलम राजवाड़े, कुमारी शशिलता सिंह, शिक्षक प्रकाश सिंह, श्रीमती श्वेता चन्द्रवंशी,कुमारी गरिमा श्रीवास,लौकेश कुमार साहू,श्रीमती कंचन गुप्ता, गोविन्द नारायण चन्द्रा,पुष्कर साहू, शाला प्रबंधन समिति के अध्यक्ष बंटेश्वर सारथी,पालक शिक्षक समिति की अध्यक्ष श्रीमती चन्द्रलेखा,देववंश,अमेला कुमार,राजकुमार बाजपेई,श्रीमती कुमुद, श्रीमती फलांगो,श्रीमती सोनामती, श्रीमती अंतरा, श्रीमती सोनामनी, श्रीमती ज्योति किण्डो,श्रीमती आशा,बालभद्र, सुमित सारथी, कुमारी सुमन? सारथी, बिरेंद्र सारथी, आशीष आदि उपस्थित रहे।

सूचना

सूरजपुर जिले में समाचार एवं विज्ञापन के लिये संपर्क करे...

समरोज खान
संवाददाता
घटती-घटना, सूरजपुर

कलेक्टर-एसपी ने लेमरू क्षेत्र के थाने का किया निरीक्षण

-संवाददाता-
कोरबा,26 सितम्बर 2024 (घटती-घटना)।

कलेक्टर अजीत वसंत, पुलिस अधीक्षक सिद्धार्थ तिवारी और कोरबा वनमण्डलाधिकारी अरविंद पीएम ने सुदुरवर्ती ग्राम लेमरू तथा नकिया क्षेत्र का भ्रमण कर लेमरू थाना, लेमरू रेंज ऑफिस वन विभाग का अवलोकन किया। लेमरू थाना के निरीक्षण के दौरान कलेक्टर और एसपी ने थाने में संधारित पंजियों का निरीक्षण किया और थाना प्रभारी से थाने में आवश्यक व्यवस्था की जानकारी ली। उन्होंने थाने में सुरक्षा सहित थाना आने वाले फरियादियों हेतु आवश्यक व्यवस्था के संबंध में भी जानकारी लेकर आवश्यक दिशा-निर्देश दिए। कलेक्टर, एसपी एवं डीएफओ द्वारा कोरबा वनमण्डल के अंतर्गत लेमरू रेंज ऑफिस का अवलोकन किया गया एवं रेंजर से जंगल में अवैध कटाई एवं अवैध उत्खनन के संबंध में जानकारी ली। रेंजर को निर्देशित किया गया कि इस क्षेत्र में वनों की देखरेख हेतु वन विभाग का अमला सक्रिय रहे। क्षेत्र में किसी प्रकार का अवैध उत्खनन न हो, इसके लिए संबंधित क्षेत्र में निरीक्षण करते रहें। कलेक्टर, एसपी ने दूरस्थ ग्राम पंचायत नकिया एवं आश्रिम ग्राम पंचायतों का निरीक्षण किया। उन्होंने इस क्षेत्र को विद्युतीकृत करने की जा रही कार्यवाही तथा संबंधित स्थल का अवलोकन कर कार्यपालन अभियंता विद्युत वितरण कंपनी को प्रस्ताव प्रस्तुत करने हेतु निर्देशित किया।

कार्यालय कलेक्टर (आबकारी), जिला-सरगुजा (छ.ग.)

// निविदा//

क्रमांक/आब.ठेका/2024/2346 — अम्बिकापुर, दिनांक 24/09/2024

सर्व साधारण की विशेष जानकारी के लिए यह सूचना प्रकाशित की जाती है कि सरगुजा जिले में संचालित विदेशी मदिरा दुकान गंगापुर अम्बिकापुर को स्थानांतरित कर नगर पालिक निगम अम्बिकापुर परिक्षेत्र के भीतर आपत्तिरहित स्थल में गंगापुर या आस-पास के क्षेत्र में संचालित करने के लिए वित्तीय वर्ष 2024-25 की शेष अवधि के लिए निर्मित भवन भाड़े में लेने हेतु नवीन निविदा आमंत्रित की जाती है। अतः इच्छुक निविदाकारों से सीलबंद लिफाफेमें निम्न विवरण अनुसा निविदा प्रपत्र यथा दुकान का नाम, अवस्थिति एवं निविदा की शर्तें व अन्य आवश्यक जानकारी कार्यालय, जिला आबकारी सह जिला प्रबंधक, सी.एस.एम.सी.एल. सरगुजा (छ.ग.)के कार्यालय से अवकाश के दिनों को छोड़कर शेष दिवसों में प्राप्त की जा सकती है।

1. निविदा फार्म की कीमत-5000/-(डी.डी./चेक जो जिला प्रबंधक सी.एस.एम.सी.एल. सरगुजा के नाम से देय हो)
2. निविदा फार्म प्राप्त करने की अंतिम तिथि- 11.10.2024 तक (कार्यालयीन समय में)
3. निविदा फार्म जमा करने की अंतिम तिथि- 14.10.2024 दोपहर 12.00 बजे तक
4. तकनीकी निविदा खोलने की तिथि - 14.10.2024 दोपहर 03.00 बजे तक
5. तकनीकी निविदा के भौतिक स्थल परीक्षण समयावधि दिनांक - 15.10.2024 दोपहर 12.00 बजे
6. तकनीकी निविदा में सफल आवेदकों के चयन की तिथि- 15.10.2024 दोपहर 03.00 बजे
7. वित्तीय निविदा खोलने की तिथि - 16.10.2024 दोपहर 12.00 बजे

जी.नंबर-242502777/1

कलेक्टर
सरगुजा (छ.ग.)

संक्षिप्त खेल की खबरें

शतरंज विजेता खिलाड़ियों से मिले प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी, कहा-देश की बड़ी उपलब्धि

नई दिल्ली, 26 सितंबर 2024। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने 45वें शतरंज ओलंपियाड के भारतीय विजेताओं से अपने आवास पर मुलाकात की। विजेता शतरंज खिलाड़ियों से मुलाकात का ये वीडियो सोशल मीडिया पर शेयर किया गया। पीएम ने विजेता शतरंज खिलाड़ियों को उनकी उपलब्धि के लिए बधाई और शुभकामनाएं दी। शतरंज ओलंपियाड आर वैशाली, डी हरिका, तानिया सचदेव, विदित गुजराती, अर्जुन एरिगेसी और प्रज्ञानानंद को पीएम मोदी से बातें करते हुए वीडियो में देखा जा सकता है।

शाकिब अल हसन ने किया टी 20 से संन्यास का एलान

मीरपुर,26 सितंबर 2024। बांग्लादेश के दिग्गज ऑलराउंडर शाकिब अल हसन ने टी20 से संन्यास का एलान कर दिया है। इसके अलावा उन्होंने टेस्ट से संन्यास की भी बात कही है। हालांकि, यह अभी तय नहीं है कि वह कब आखिरी टेस्ट खेलेंगे। शाकिब ने खुलासा किया है कि उन्होंने बांग्लादेश क्रिकेट बोर्ड से उन्हें मीरपुर में आखिरी टेस्ट खेलने देने की इच्छा जताई है। उन्होंने कहा कि अगर उनकी मीरपुर वाली मांग को मान लिया जाता है तो ठीक है, वरना भारत के खिलाफ कानपुर में खेला जाने वाला टेस्ट मैच उनके करियर का आखिरी टेस्ट मैच होगा। इस अनुभवी ऑलराउंडर ने तत्काल प्रभाव से टी20 अंतरराष्ट्रीय से संन्यास की भी घोषणा की। उन्होंने बांग्लादेश क्रिकेट बोर्ड (बीसीबी) को अगले महीने मीरपुर में दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ घरेलू टेस्ट सीरीज के बाद टेस्ट क्रिकेट से संन्यास लेने की इच्छा व्यक्त की है। हालांकि, उस सीरीज में खेलने के लिए सुरक्षा मंजूरी हासिल करना शीर्ष ऑलराउंडर पर निर्भर है। यदि शाकिब उस टेस्ट में शामिल नहीं हो पाते हैं, तो भारत के खिलाफ चल रही सीरीज का दूसरा और अंतिम मैच बांग्लादेश के लिए उनका आखिरी टेस्ट हो सकता है।

आईपीएल 2025 के लिए बीसीसीआई का नया नियम

मुंबई इंडियंस को मिलेगी राहत!

नई दिल्ली, 26 सितंबर 2024।इसी साल दिसंबर के महीने में आईपीएल ऑक्शन 2025 का आयोजन किया जाएगा। लेकिन उससे पहले ही बीसीसीआई एक बड़े नियम में बदलाव कर सकता है। दरअसल, अब तक हर टीम को ऑक्शन से पहले 3 खिलाड़ियों को रिटेन करने की अनुमति थी लेकिन अब ये संख्या तीन से पांच हो सकती है। इस नियम के लागू होने का मतलब है कि मुंबई इंडियंस का बड़ा सिरदर्द खत्म हो जाएगा। इंडियन एक्सप्रेस की रिपोर्ट्स के मुताबिक बीसीसीआई हेडक्वार्टर में हाल ही में अहम बैठक हुई थी जिसमें 10 टीमों के मालिक मौजूद थे। ज्यादातर टीम मालिक 5 से 6 खिलाड़ियों को रिटेन करने की अनुमति चाहते थे। रिपोर्ट्स के मुताबिक फ्रेंचाइजी मालिकों के कहने के बाद बीसीसीआई इसके लिए तैयार हो गया है। बोर्ड को लगता है कि ऐसा करने से टीमों की ब्रांड वैल्यू बनी रहेगी।

बांग्लादेश पर दबदबा कायम रखने उतरेगा भारत

» गेंदबाज बरपाएंगे कहर या जमकर बरसेंगे रन...

» पिच क्यूरेटर ने बताया कि कैसी होगी कानपुर की पिच?

कानपुर, 26 सितंबर 2024। चेन्नई में खेले गए पहले टेस्ट मैच में भारत ने बांग्लादेश को 280 रनों से करारी शिकस्त दी थी। भारत को अपनी इस बड़ी जीत में तेज गेंदबाजों और स्पिनर दोनों का भरपूर साथ मिला था। चेन्नई की पिच पर जसप्रीत बुमराह ने बांग्लादेश की पहली पारी में 4 विकेट अपने नाम किए थे जबकि आर अश्विन ने दूसरी पारी में 6 विकेट लेकर कमाल किया था। इस मैच में तेज गेंदबाजों ने जहां 9 विकेट झटके थे तो वहीं आर अश्विन और जडेजा की स्पिन जोड़ी ने 8 विकेट झटके थे। ऐसे में अब सभी की निगाहें कानपुर के ग्रीन पार्क स्टेडियम की पिच पर लगी हैं।

कई दिनों से दूसरे टेस्ट की पिच को लेकर तरह-तरह के कयास लगाए जा रहे हैं लेकिन अब ग्रीन पार्क के क्यूरेटर ने पिच को लेकर बड़ा खुलासा किया है। कानपुर के पिच क्यूरेटर ने कहा है कि दूसरे टेस्ट के लिए पिच ऐसी बनाई गई है जो पहले दो सेशन में तेज गेंदबाजों और फिर आखिरी तीन दिनों में स्पिनरों की मदद करेगी।

काली मिट्टी की होगी पिच

पिच क्यूरेटर शिव कुमार ने पीटीआई से कहा कि कानपुर की पिच भी चेन्नई जैसी ही होगी। ये सभी के लिए मददगार होगी। पहले दो सेशन में उछाल मिलेगा। पहले दो दिनों में बल्लेबाजी के लिए यह काफी अच्छा रहेगी। फिर आखिरी तीन दिनों में स्पिनरों को मदद करेगी। क्यूरेटर ने पिच की मिट्टी को लेकर भी खुलासा किया।

उन्होंने बताया कि ग्रीन पार्क की पिच को बनाने में काली मिट्टी का इस्तेमाल किया गया है जो स्पिनरों की मदद करती हैं।कानपुर में आखिरी टेस्ट मैच साल 2021 में भारत और न्यूजीलैंड के बीच खेला गया था। ये मैच ड्रॉ रहा था। इस मैच में आर अश्विन, रवींद्र जडेजा और अक्षर पटेल की तिकड़ी ने कुल मिलाकर 17 विकेट अपने नाम किए थे। वहीं, भारतीय तेज गेंदबाज उमेश यादव सिर्फ 2 विकेट निकाल पाए थे। ईशांत शर्मा दोनों पारियों में अपना खाता भी नहीं खोल सके थे।

दोनों टीमें इस प्रकार हैं...

भारतीय टीमः रोहित शर्मा , यशस्वी जयसवाल, शुभमन गिल, विराट कोहली, केएल राहुल, ऋषभ पंत (विकेटकीपर), रविंद्र जडेजा, रविचंद्रन अश्विन, सरफराज खान, अक्षर पटेल, कुलदीप यादव, ध्रुव जुरेल, जसप्रीत बुमराह, मोहम्मद सिराज, यश दयाल, आकाश दीप।

बांग्लादेश की टीमः महमूदुल हसन जॉय, शादमान इस्लाम, जाकिर हसन, मोमिनुल हक, नजमुल हुसैन शान्तो (कप्तान), शाकिब अल हसन, मुश्फिकुर रहीम, लिटन दास (विकेटकीपर), जेकर अली, मेहदी हसन मिराज, खालिद अहमद, हसन महमूद, तस्कीन अहमद, ताइजुल इस्लाम, नईम हसन, नाहिद राणा।

कानपुर में बिगड़ेगा टीम इंडिया खेल, दूसरे टेस्ट में होगी नए विलेन की एंट्री

भारत बनाम बांग्लादेश टेस्ट सीरीज का दूसरा मुकाबला कानपुर में खेला जाएगा। सीरीज के पहले मुकाबले को टीम इंडिया ने 280 रनों से जीता था। दूसरे मुकाबले में भी फैंस भारतीय टीम से कुछ ऐसे ही प्रदर्शन की उम्मीद कर रहे हैं। इस मुकाबले की शुरुआत 27 सितंबर से हो रही है। बांग्लादेश के खिलाफ खेले जाने वाले दूसरे टेस्ट मैच से पहले टीम इंडिया पूरी तरह से तैयार नजर आ रही है। खिलाड़ी कानपुर में ग्रीन पार्क स्टेडियम में जमकर मेहनत कर रहे हैं, लेकिन भारतीय टीम के इस मेहनत पर पानी फिरने की पूरी उम्मीद नजर आ रही है।

मैच ड्रॉ होने की संभावना

दरअसल बांग्लादेश के खिलाफ खेले जाने वाले इस मुकाबले के दौरान कानपुर में भारी बारिश की उम्मीद जताई गई है। इस मैच के पांच दिनों में से तीन दिन बारिश के कारण खराब हो सकते हैं। जिसके कारण इस मुकाबले का रिजल्ट किसी भी एक टीम के पक्ष में आने की संभावना बेहद कम है। बारिश के कारण यह मैच ड्रॉ पर खत्म हो सकता है। जिसकी वजह से भारतीय टीम को नुकसान होगा। टीम इंडिया इस मैच का जीतने की प्रबल दावेदार है, लेकिन बारिश भारतीय टीम के लिए विलेन बन सकती है।

कैसा रहेगा मौसम

दोनों टीमों के बीच खेले जाने वाले इस टेस्ट मैच के शुरुआती तीन दिन, यानी कि 27, 28 और 29 सितंबर को भारी बारिश का अनुमान लगाया गया है। बता दें कि वेदर रिपोर्ट के अनुसार 27 सितंबर को कानपुर में बारिश होने की संभावना 93त्न है। वहीं 28 सिंतबर को बारिश की संभावना 80त्न तक जताई गई है। तीसरे दिन यानी कि 29 सितंबर को बारिश होने की संभावना 59त्न तक है। वेदर रिपोर्ट की माने को इस टेस्ट मैच को जीतने के लिए टीम इंडिया को काफी ज्यादा मेहनत करने की जरूरत होगी।

टी 20 वर्ल्ड कप से पहले टीम इंडिया की कप्तान का बड़ा बयान

» इन खास खिलाड़ियों की लिस्ट में शामिल होने को तैयार

नई दिल्ली, 26 सितंबर 2024। महिला टी20 वर्ल्ड कप 2024 की शुरुआत 03 अक्टूबर से हो रही है। टूर्नामेंट में 10 टीमें हिस्सा ले रही हैं। भारतीय क्रिकेट टीम की कप्तानी हरमनप्रीत के हाथों में है। हरमनप्रीत कौर वर्ल्ड कप शुरू होने से पहले कुछ खास फॉर्म में नजर नहीं आ रही हैं। ऐसे में हरमनप्रीत कौर ने अपने फॉर्म को लेकर बड़ी बात कही है। टीम इंडिया कप्तान हरमनप्रीत कौर ने अपने वर्ल्ड कप जर्नी को लेकर भी कई बातें कही हैं। वर्ल्ड कप का पहला मैच खेलते ही हरमनप्रीत कौर उन खिलाड़ियों में शामिल हो जाएंगी, जिन्होंने 9 आईसीसी महिला टी20 वर्ल्ड कप सीजन में भाग लिया है। हरमनप्रीत यह उपलब्धि हासिल करने वाली एकमात्र भारतीय होंगी, जबकि इस क्लब में सुजी बेट्स (न्यूजीलैंड),सोफी डिवाइन (इंग्लैंड), मारिजाने कैप (साउथ अफ्रीका), एलिस पेरी (ऑस्ट्रेलिया) और चमारी अथापथु (श्रीलंका) शामिल हैं। यह उपलब्धि हासिल करने वाली एकमात्र भारतीय महिला और दूसरी भारतीय क्रिकेटर होने पर गर्व करने से कहीं ज्यादा, हरमनप्रीत अपने सभी अनुभव का इस्तेमाल करके एक आईसीसी ट्रॉफी उठाने के अपने सपने को पूरा करने पर ध्यान देना चाहेंगी। हरमनप्रीत कौर ने कई बार आईसीसी टूर्नामेंट के फाइनल तक का सफर तो तय किया, लेकिन ट्रॉफी नहीं जीत सकी हैं। इस बार वह वर्ल्ड कप की ट्रॉफी जीतना चाहेंगी।

अपने अनुभव का करेंगी इस्तेमाल

भारतीय कप्तान हरमनप्रीत ने मंगलवार देर रात टीम के यूएई के लिए रवाना होने से पहले कहा कि मैंने कई वर्ल्ड कप खेले हैं और वह अनुभव और माहौल किसी भी अन्य टूर्नामेंट से बिल्कुल अलग है। मैं उसी उत्साह के साथ जा रही हूं जैसा कि मेरे अंदर तब थी जब मैं सिर्फ 19 साल का थी। मैं बस वहां जाना चाहती हूं और खेलना चाहती हूं। मुझे पता है कि अब मेरे पास बहुत अनुभव है। दरअसल, हरमनप्रीत की टीम में अनुभव की कोई कमी नहीं है। भारत की 15 सदस्यीय टीम में से केवल तीन खिलाड़ी ऐसे हैं जिन्होंने अभी तक टी20 वर्ल्ड कप में हिस्सा नहीं लिया है। यह उनका पहला अनुभव होने जा रहा है।

अपने खराब फॉर्म क्या कहा?

हालांकि, हरमनप्रीत का फॉर्म हाल ही में खराब हुआ है। शायद इसका कारण हाल के मैचों में किए गए कुछ बदलाव हो सकते हैं। जहां वह नीचे बल्लेबाजी करने के लिए आ रही हैं। हरमनप्रीत कौर पिछले टी20 वर्ल्ड कप के बाद से सिर्फ दो अर्द्धशतक ही लगा पाई हैं। तब से उनके टी20 आंकड़ों पर एक नजर डालें तो उन्होंने 17 पारियों में 116 के स्ट्राइक रेट से 368 रन बनाए हैं। इन सब के बाद भी हरमनप्रीत अपनी फॉर्म को लेकर बिल्कुल भी चिंतित नहीं हैं। उन्होंने अपने खराब फॉर्म को लेकर कहा कि मुझे पता है कि दबाव कैसा है और मैं इसे कैसे संभालूंगी।

टेस्ट मैच के 1 ओवर में सबसे ज्यादा रन बनाने वाले खिलाड़ी

नईदिल्ली,26 सितंबर। टेस्ट क्रिकेट एक ऐसा प्रारूप है, जिसमें किसी भी खिलाड़ी के लिए रन बनाना बेहद मुश्किल होता है। हालांकि,अब क्रिकेट के इस प्रारूप में भी तेजी से रन बनते हैं।कई ऐसे गेंदबाज भी हैं जो टेस्ट में अपनी बल्लेबाजी से कमाल दिखाते हैं। इस प्रारूप में 1 ओवर में सबसे ज्यादा रन बनाने वाला शीर्ष खिलाड़ी एक गेंदबाज ही है।

अपनी तेज गेंदबाजी से दुनिया भर के बल्लेबाजों को परेशान करने वाले जसप्रीत बुमराह इस सूची में पहले स्थान पर हैं। उन्होंने साल 2022 में इंग्लैंड क्रिकेट टीम के पूर्व दिग्गज तेज गेंदबाज स्टुअर्ट ब्रॉड के खिलाफ बर्मिंघम टेस्ट मैच में 35 रन जड़ दिए थे।उस ओवर में बुमराह के बल्ले से 2 छक्के निकले थे। इसके अलावा उस ओवर में 5 चौके भी लगे थे। 1 चौका नो बॉल और 1 वाइड गेंद पर आया था।

राहुल वापसी करेंगे,हमारी भूमिका उन्हें समर्थन देना हैः अभिषेक नायर

कानपुर, 26 सितंबर 2024। भारतीय टीम कानपुर के ग्रीन पार्क स्टेडियम में बांग्लादेश के खिलाफ दूसरे टेस्ट की तैयारी कर रही है, ऐसे में सभी की निगाहें केएल राहुल पर हैं, जो लंबे समय तक चोटिल रहने के बाद लाल गेंद के क्रिकेट में अपनी जगह बनाने के लिए संघर्ष कर रहे हैं। 35 के आसपास औसत और लगातार खराब प्रदर्शन के साथ, राहुल के हालिया फॉर्म ने टीम में उनके स्थान को लेकर सवाल खड़े कर दिए हैं। हालांकि, भारतीय बल्लेबाजी कोच अभिषेक नायर अनुभवी बल्लेबाज के फॉर्म में लौटने को लेकर आशावादी हैं। नायर ने महत्वपूर्ण दूसरे टेस्ट से पहले बोलते हुए राहुल की हालिया चुनौतियों को स्वीकार किया, लेकिन कठिन दौर में खिलाड़ियों का समर्थन करने के महत्व पर जोर दिया। नायर ने गुरुवार को प्री-मैच प्रेस कॉन्फ्रेंस में कहा, हम सभी जानते हैं कि राहुल किस तरह के खिलाड़ी हैं। उनके पास अनुभव और प्रतिभा है, लेकिन हर क्रिकेटर ऐसे दौर से गुजरता है, जब चीजें ठीक नहीं होतीं। ऐसे समय में कोचिंग टीम के रूप में हमारी भूमिका महत्वपूर्ण हो जाती है - उन्हें आगे बढने् में मदद करना, फिर से वह चमक पाना। राहुल ने दुलीप ट्रॉफी की अपनी एकमात्र पारी में शुरुआती सत्र में 111 गेंदों पर 37 रन बनाए। महत्वपूर्ण मौकों पर निर्णायकता की कमी और आक्रामक स्ट्रोक का उपयोग करने की अनिच्छा के कारण उनकी आलोचना की गई। स्कोरबोर्ड को आगे बढ़ाने में उनकी हिचकिचाहट पर लोगों ने सवाल उठाए। दूसरी पारी में 121 गेंदों पर 57 रन की उनकी पारी आंशिक रूप से उनके प्रदर्शन में सुधार थी, क्योंकि उनकी मुख्य जिम्मेदारी बल्लेबाजी के पतन के बीच विकेट को संभाले रखना था; चुनौतीपूर्ण 276 रनों के लक्ष्य का पीछा करते हुए आक्रामक होने की कोशिश में अपना विकेट खोना विनाशकारी होता। जब आप भारत के लिए खेल रहे होते हैं, तो प्रेरणा की ज़रूरत नहीं होती। कभी-कभी यह सिर्फ़ दिशा की बात होती है और मुझे लगता है कि केएल ने पिछले कुछ दिनों में उनके साथ थोड़ा समय बिताया है। वह ऐसे खिलाड़ी हैं जो अपने खेल को बहुत अच्छी तरह समझते हैं। हाँ, कई बार ऐसा होता है जब कोई खिलाड़ी अपने पैर जमा लेता है। मुझे लगता है कि दक्षिण अफ़्रीका में जब वह वहां थे, तो उन्होंने भारत के लिए शानदार पारियाँ खेली थीं। उन्होंने कहा, इसलिए हम गौतम (गंभीर) के संयोजन से बहुत आशान्वित हैं और मैंने उनसे (चर्चा) की है कि उम्मीद है कि हम केएल में भी बदलाव ला पाएंगे। इन चीज़ों में कभी-कभी समय लगता है। लेकिन मुझे लगता है कि जिस तरह से वह बल्लेबाजी कर रहे हैं, यहां तक कि पिछले मैच में भी, मुझे पता है कि हमने उन्हें दूसरी पारी में ज़्यादा मौके नहीं दिए। लेकिन जिस तरह से वह दूसरी पारी में बल्लेबाजी कर रहे थे, हम उनसे उसी तरह की क्रिकेट की उम्मीद कर रहे हैं।

जिस फिल्म ने अनिल कपूर को दिलाया था बेस्ट सपोर्टिंग एक्टर का अवॉर्ड,अब 25 साल बाद फिर से रिलीज होगी मूवी

अक्षय खन्ना और ऐश्वर्या राय स्टरर फिल्म ताल ने 25 साल पूरे कर लिए हैं। लेकिन इस फिल्म की कहानी और गाने आज भी लोगों को जुबानी याद हैं। म्यूजिक डायरेक्टर एआर रहमान के गाने इश्क बिना और रमता जोगी ऑल टाइम फेवरिट गानों की लिस्ट में आते हैं। 13 अगस्त 1999 को रिलीज हुई इस फिल्म को डायरेक्टर सुभाष घई ने डायरेक्ट किया था। अब ये फिल्म 25 साल बाद फिर से 136 सिनेमाघरों में रिलीज की जा रही है। मेकर्स ने इसकी पुष्टि कर दी है।

जी स्टूडियोज के मुताबिक ये फिल्म 27 सितंबर को सिनेमाघरों में फिर से रिलीज की जाएगी। फिल्म को पूरे देश के सिनेमाघरों में चलाया जाएगा। लोगों को एक बार फिर से इस कहानी का मजा बड़े पर्दे पर देखने को मिलेगा। बता दें कि अक्षय खन्ना, ऐश्वर्या राय अनिल कपूर स्टारर ये फिल्म लोगों को खूब पसंद आई थी। साथ ही इस फिल्म ने बॉक्स ऑफिस पर भी जमकर कमाई की थी। बॉक्स ऑफिस इंडिया के आंकड़ों की मानें तो फिल्म 15 करोड़ रुपयों के बजट से बनी थी। वहीं फिल्म की कमाई 51 करोड़ के पार पहुंच गई थी। फिल्म बॉक्स ऑफिस पर सुपरहिट रही थी। साथ ही ऐश्वर्या राय और अक्षय खन्ना की जोड़ी को भी लोगों ने खूब प्यार दिया था। फिल्म के गाने भी सुपरहिट रहे थे। आज भी इन गानों को लोग खूब पसंद करते हैं और प्यार देते हैं। इस फिल्म में शाहिद कपूर ने भी बैकग्राउंड डांस किया था।

अनिल कपूर ने जीता था बेस्ट सपोर्टिंग एक्टर का अवॉर्ड

बॉलीवुड एक्टर अनिल कपूर के करियर में भी ये फिल्म काफी महत्वपूर्ण रही है। अनिल कपूर को इस फिल्म में बेस्ट सपोर्टिंग एक्टर का अवॉर्ड भी दिया गया था। ये अवॉर्ड अनिल कपूर के करियर में काफी खास रहा है। फिल्म के 25 साल पूरा होने पर अनिल कपूर ने इस अवॉर्ड की फोटो शेयर करते हुए एक भावुक नोट भी लिखा था। जिसमें अनिल कपूर ने डायरेक्टर सुभाष घई को इस फिल्म में कास्ट करने के लिए शुक्रिया करते हुए उनकी जमकर तारीफ की थी।

कभी बांग्लादेश फिल्म इंडस्ट्री के सुपरस्टार थे चंकी पांडे

बॉलीवुड के 90 के दशक के सुपरस्टार्स की बात की जाए तो शाहरुख खान, सलमान खान और आमिर खान जैसे बड़े नाम सबसे पहले जहन में आते हैं। इनके साथ कई और कलाकारों ने भी अपनी एक्टिंग के दम पर फिल्म इंडस्ट्री में अपनी जगह बनाई। इन सबके बीच एक और नाम था चंकी पांडे का, जो इन कलाकारों के भीड़ में कहीं खो गया था। मगर क्या आप जानते हैं कि उसी समय चंकी पांडे ने बांग्लादेश फिल्म इंडस्ट्री में काम करना शुरू कर दिया था। जहां वह रातों रात स्टार बन गए। बांग्लादेश फिल्म इंडस्ट्री में चंकी पांडे ने वो मुकाम हासिल किया, जो उन्हें बॉलीवुड में नहीं मिल पाया था।

चंकी पांडे का असली नाम सुयश पांडे

26 सितंबर, 1962 को जन्मे चंकी पांडे का असली नाम सुयश पांडे है। एक इंटरव्यू में चंकी पांडे ने कहा था कि लोगों को ऐसा लगता है कि मेरा नाम चंद्रकांत है, जिसे मैंने छोटा करके चंकी रख लिया है। उन्होंने यह भी बताया था कि स्कूल के दिनों में भी उनके दोस्त उन्हें सुयश ही कहते थे।

मां और पापा दोनों थे डॉक्टर

चंकी पांडे के पिता शरद पांडे एक फेमस सर्जन थे। चंकी की मां स्नेहलता पांडे भी डॉक्टर थीं। एक बार इंटरव्यू में चंकी पांडे ने कहा था कि वह भी अपने माता-पिता की तरह ही मेडिकल के पेशे में जाना चाहते थे, मगर वह इसमें असफल रहे। चंकी पांडे के करियर पर एक नजर डालें तो उन्होंने अपने करियर की शुरुआत 1987 में फिल्म दरार से की। मगर उन्हें असली पहचान फिल्म तेजाब में मुन्ना के किरदार से मिली। एक्टर ने वर्ष 1987 से 1993 तक कई बेहतरीन फिल्मों में काम किया। फिल्म विश्वात्मा में सात समंदर पार मैं तेरे पीछे पीछे गाने में सोनम के साथ डांस करते हुए चंकी का गाना लोगों ने खूब पसंद किया।

जब भीड़ में खो गए तो बांग्लादेश फिल्म इंडस्ट्री का रुख किया

थोड़े समय बाद वह अन्य एक्टर्स के भीड़ में खो गए। इसके बाद उन्होंने बांग्लादेश फिल्म इंडस्ट्री का रुख किया। कुछ समय बाद वह दोबारा बॉलीवुड की कई फिल्मों में नजर आए। अपने अब तक के करियर में वह लगभग 80 फिल्मों में काम कर चुके हैं।

अक्षय जूनियर थे और चंकी पांडे के थे फैन

हाउसफुल 3 के प्रमोशनल इवेंट के दौरान अक्षय कुमार ने कहा था चंकी पांडे साहब जिस जगह एक्टिंग सीखते थे, वहां वे मेरे सीनियर हुआ करते थे। जब मैं बतौर जूनियर वहां जाता था, तो सभी की निगाहें चंकी पांडे को ही तलाशती थीं। अक्षय ने भी माना कि वह चंकी पांडे के बहुत बड़े फैन हुआ करते थे। बता दें कि चंकी पांडे ने अक्षय कुमार की हाउसफुल 3 में भी काम किया है।

धमतरी के अस्पताल में गुण्डागर्दी

» अस्पताल में 2 नर्सों को 7 युवकों ने घेरा...

» कोलकाता कांड जैसा हाल करने की दी धमकी...

» कई युवकों ने नर्सों के साथ दुर्व्यवहार किया...

धमतरी,26 सितम्बर 2024 (ए)। कांच गड़ने की बात कहकर 25 सितंबर की रात 11 बजे छह से सात युवक उपचार कराने सिविल अस्पताल नगरी पहुंचे। यहां उपचार कर रही दो नर्सों को इंजेक्शन लगाने के बाद युवकों ने घेर लिया। गंदा कमेंट व दुर्व्यवहार करने लगे। साथ ही कलकत्ता कांड की तरह घटना करने की धमकी देने से नर्स भयभीत होकर डर गई। अस्पताल में मौजूद अन्य महिला कर्मचारी भी भयभीत रहीं। नर्सों को धमकी देने के बाद युवकों ने अस्पताल के इंजेक्शन, दवाईयां समेत कई सामाग्रियों को तोड़कर नुकसान पहुंचाया है।

दवाइयां फेंकी,सीसीटीवी कैमरे मोड़े

अस्पताल स्टॉफ ने यह भी बताया कि आपातकालीन रूम से वैक्सीन व दवाइयां निकालकर बरामदे में फेंक दिया। अस्पताल परिसर में लाइट को तोड़ दिया गया। घटना को अंजाम देने के बाद हॉल से जाते समय युवकों ने कलकत्ता कांड का जिक्र भी किया। इस घटना से अस्पताल में कार्यरत महिला कर्मचारियों में दहशत है। युवकों ने सिविल अस्पताल में लगे सीसीटीवी कैमरा को भी मोड़ दिया था।

महिला कर्मियों की सुरक्षा पर सवाल

घटना के दूसरे दिन सिविल अस्पताल नगरी के सभी महिला-पुरूष कर्मचारी, डॉक्टर व स्टाफ नर्स नगरी थाना पहुंचकर घटना की रिपोर्ट दर्ज कराकर आरोपितों के खिलाफ सख्त कार्रवाई की मांग की है। साथ ही अस्पताल स्टॉफ ने कहा कि सिविल अस्पताल नगरी में महिला डॉक्टर के साथ महिला कर्मियों की संख्या ज्यादा है। ऐसे में यहां ड्यूटी करने वाली महिला कर्मचारियों की सुरक्षा पर अब सवाल उठ गया है। घटना के बाद से दहशतजदा महिला कर्मचारी अस्पताल परिसर में पुलिस चौकी खोलने की मांग की है, ताकि महिला कर्मचारियों को ड्यूटी के दौरान तत्काल सुरक्षा मिल सके।सिविल अस्पताल नगरी के बीएमओ डा अरूण नेताम ने बताया कि अस्पताल में 25 सितंबर की रात करीब 10 से 11 बजे छह से सात युवक अस्पताल पहुंचे और उपचार के दौरान यहां ड्यूटी पर तैनात रही दो स्टाफ नर्सों को घेरकर उनके साथ दुर्व्यवहार किया है।

डिप्टी सीएम साव की चेतावनी,कहा-पुराने ढर्रे से बाहर आएं अधिकारी,लापरवाही बर्दाश्त नहीं

रायपुर,26 सितम्बर 2024(ए)। छत्तीसगढ़ के डिप्टी सीएम अरुण साव ने नगरीय निकायों की समीक्षा बैठक के दौरान अधिकारियों को स्पष्ट दिशा-निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि जन सुविधाओं के विकास में गंभीरता से काम करना होगा और किसी भी प्रकार की कोताही बर्दाश्त नहीं की जाएगी।

बैठक में उन्होंने जोर दिया कि अधिकारी निर्माण, सप्लाई और खरीदी के साथ ही अन्य आवश्यक कार्यों पर भी ध्यान दें। उन्होंने कहा, अधिकारी अपनी जिम्मेदारी समझें और शहरों के विकास तथा जनसुविधाओं को विकसित करने का कार्य गंभीरता से करें।

डिप्टी सीएम ने चेतावनी दी कि अधिकारियों के कार्यों में किसी भी प्रकार की लापरवाही को सहन नहीं किया जाएगा और जरूरत पड़ने पर कठोर कार्रवाई की जाएगी। उन्होंने कहा कि अधिकारियों को पुराने ढर्रे से बाहर निकलकर नई कार्य संस्कृति अपनानी चाहिए और अपने कार्यों में सुधार लाना होगा।

1 अक्टूबर तक लंबित वेतन का भुगतान

समीक्षा बैठक में डिप्टी सीएम ने निर्देशित किया कि सभी नगरीय निकायों में कर्मचारियों के लंबित वेतन का भुगतान प्राथमिकता से किया जाए। उन्होंने कहा कि अगस्त और सितंबर माह का वेतन 1 अक्टूबर तक भुगतान किया जाना चाहिए, ताकि समय पर वेतन न मिलने की शिकायतें न हों।

साथ ही, उन्होंने सभी नगरीय निकायों से राजस्व वसूली बढ़ाने की अपील की और बड़े बकायादारों से टैक्स वसूलने के लिए कड़ी कार्रवाई करने का निर्देश दिया। उन्होंने कहा, गंभीरता और सक्रियता से संग्रहण करें और सभी आयुक्त तथा सीएमओ नियमित रूप से वसूली की समीक्षा करें।

प्रदेश की संक्षिप्त खबरें

नड्डा ने गोपाल व्यास का स्वास्थ्य,हाल-चाल पूछा

रायपुर ,26 सितम्बर 2024 (ए)। भाजपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष एवं केंद्रीय मंत्री जगत प्रकाश नड्डा के साथ हम सबके वरिष्ठ और पूर्व राज्यसभा सांसद गोपाल व्यास के विधायक कॉलोनी स्थित निवास पहुंच उनके स्वास्थ्य की जानकारी ली और आशीर्वाद प्राप्त किया। राष्ट्रीय अध्यक्ष ने उन्हें भाजपा की सदस्यता दिलाई।

व्यापमं ने स्थगित की दो प्रमुख परीक्षाएं

नई तारीखें होंगी घोषित

रायपुर,26 सितम्बर 2024(ए)। छत्तीसगढ़ में आगामी 29 सितंबर को आयोजित की जाने वाली दो महत्वपूर्ण परीक्षाओं को छत्तीसगढ़ व्यावसायिक मंडल (व्यापमं) ने स्थगित कर दिया है। यह परीक्षाएं प्रयोगशाला तकनीशियन और मत्स्य निरीक्षक पदों के लिए आयोजित होने वाली थीं। व्यापमं ने अब इन परीक्षाओं के लिए नई तारीखों की घोषणा की है।

प्रयोगशाला तकनीशियन की परीक्षा स्थगित

व्यापमं द्वारा 29 सितंबर को उच्च शिक्षा संचालनालय, नवा रायपुर के अंतर्गत प्रयोगशाला तकनीशियन पदों के लिए लिखित भर्ती परीक्षा का आयोजन किया जाना था। हालांकि, अपरिहार्य कारणों से इस परीक्षा को स्थगित कर दिया गया है। परीक्षा अब 6 अक्टूबर 2024 को आयोजित की जाएगी, जो अपरान्ह 2: 00 बजे से 4:15 बजे तक चलेगी। उम्मीदवारों से अनुरोध किया गया है कि वे इस संशोधित तिथि को ध्यान में रखते हुए तैयारी जारी रखें।

मत्स्य निरीक्षक की परीक्षा भी स्थगित

इसके अलावा, व्यापमं द्वारा 29 सितंबर को मछली पालन विभाग, छत्तीसगढ़ के अंतर्गत मत्स्य निरीक्षक पदों की भी लिखित भर्ती परीक्षा आयोजित की जानी थी। इस परीक्षा को भी अपरिहार्य कारणों के चलते स्थगित कर दिया गया है। हालांकि, इस परीक्षा की नई तारीख अभी तक घोषित नहीं की गई है। व्यापमं द्वारा उम्मीदवारों को इस संबंध में जल्द ही सूचित किया जाएगा।

डायरिया से कांग्रेस नेता की मौत

रायपुर,26 सितम्बर 2024(ए)। डायरिया से कांग्रेस नेता बैसाखु राजवाड़े की मौत हो गई। जिस पर पूर्व डिप्टी सीएम टीएस सिंहदेव ने शोक जताते हुए एक्स पर लिखा, ग्राम पंचायत जगदीशपुर में डायरिया फैलने की घटना अत्यंत चिंताजनक है। कांग्रेस हमारे साथी बैसाखु राजवाड़े जी का इस बीमारी के कारण असमय निधन हो गया, जो हम सभी के लिए एक बड़ी क्षति है। ईश्वर से प्रार्थना है कि उनकी आत्मा को शांति प्रदान करें और शोक संतप्त परिवार को इस कठिन समय में संबल दें। इस महामारी की चपेट में आए 25 प्रभावित ग्रामवासियों के शीघ्र स्वास्थ्य लाभ की कामना करता हूँ। मेरी प्रशासन से विनम्र अपील है कि जल्द से जल्द इस बीमारी पर काबू पाने के लिए आवश्यक कदम उठाए जाएं और प्रभावित लोगों को हरसंभव सहायता उपलब्ध कराई जाए।

मोबाइल जब्त कर चैतन्य बघेल को पुलिस ने छोड़ा

भिलाई ,26 सितम्बर 2024 (ए)। पूर्व सीएम भूपेश बघेल के बेटे चैतन्य बघेल से गुरुवार दोपहर भिलाई थाने में करीब चार घंटे पूछताछ की गई। बंद कमरे में सीएसपी छावनी हरीश पाटिल, थाना प्रभारी महेश ध्रुव ने सवाल पूछे। पुलिस ने चैतन्य का मोबाइल जब्त कर लिया है। चैतन्य ने कहा कि, उन्हें बयान देने के लिए पुलिस ने बुधवार रात 8 बजे नोटिस दिया था। वही दर्ज कराने के लिए आए थे। सवाल क्या पूछे गए? इसे पर चैतन्य ने कहा कि, मामला विवेचना में है। चैतन्य से दोपहर 12 बजे से शाम 4 बजे तक पूछताछ की गई। पुलिस ने इसी मामले में बुधवार को बघेल की बेटी दीप्ति से भी पूछताछ के बाद उनका भी मोबाइल जब्त किया था। वहीं चैतन्य के थाने पहुंचने के बाद भूपेश के ह्स्ष्ठ रहे मनीष बंछोर, चरोदा मेयर निर्मल कोसरे सहित भूपेश बघेल के करीबी थाने पहुंचे थे। बताया जा रहा है कि चैतन्य से पूछताछ के दौरान पुलिस ने 20 सवाल पूछे थे। इनमें से कुछ के जवाब चैतन्य ने दिए और बाकी का जवाब देने से इनकार कर दिया। जानकारी के मुताबिक, पुलिस ने चैतन्य और प्रोफेसर मामले में उनके संबंध? क्या आरोपी आपके दोस्त हैं? उन्हें कैसे जानते हैं? आरोपियों से क्या बातचीत हुई है?, जैसे सवाल पूछे गए हैं। वहीं भिलाई-3 चरोदा के मेयर निर्मल कोसरे ने कहा कि, चैतन्य से क्या पूछताछ की गई है, वो तो पुलिस ही बताएगी। चैतन्य को बुलाया गया था, बयान देने के लिए। फिर सुबह वह स्वतः ही आए और पुलिस पूछताछ में सहयोग किया। उनके सवालों का जवाब दिया।

जल्द होगी 321 ग्रामीण कृषि विस्तार अधिकारियों की नियुक्ति

» 30 सितंबर से शुरू होगा दस्तावेज सत्यापन

रायपुर,26 सितम्बर 2024(ए)। छत्तीसगढ़ में 321 ग्रामीण कृषि विस्तार अधिकारियों की जल्द नियुक्ति होने जा रही है। मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय ने ट्वीट के जरिए यह जानकारी दी है। उन्होंने बताया कि वित्त विभाग को इन नियुक्तियों के लिए पहले ही निर्देश दिए जा चुके थे, और अब स्वीकृति मिलते ही दस्तावेज सत्यापन की प्रक्रिया शुरू होगी। 30 सितंबर से अभ्यर्थियों का दस्तावेज सत्यापन किया जाएगा।

मुख्यमंत्री ने ट्वीट में लिखा कि प्रदेश में 321 नए ग्रामीण कृषि विस्तार अधिकारियों की नियुक्ति को स्वीकृति के लिए वित्त विभाग को निर्देश दिए थे। जिसकी स्वीकृति के बाद अब सफल अभ्यर्थियों की नियुक्ति के लिए दस्तावेजों के सत्यापन की सूचना जारी हो गई है। सत्यापन के पश्चात जल्द ही नियुक्ति के आदेश जारी होंगे।

10 अक्टूबर तक दस्तावेज सत्यापन

अभ्यर्थियों का दस्तावेज सत्यापन 30 सितंबर से शुरू होकर 10 अक्टूबर तक चलेगा। यह अंतिम तिथि होने के बाद, सत्यापन प्रक्रिया पूरी होते ही अभ्यर्थियों के लिए नियुक्ति आदेश जारी कर दिए जाएंगे।

अब डिस्पेंसरी मजदूरों को सीधे विशेषज्ञ हॉस्पिटल में कर सकेंगे रेफर,श्रम मंत्री ने दिए निर्देश

रायपुर,26 सितम्बर 2024 (ए)। कर्मचारी राज्य बीमा निगम की क्षेत्रीय परिषद् की बैठक में प्रदेश के श्रम मंत्री लखन लाल देवांगन ने अधिकारियों को निर्देशित किया कि ऐसी व्यवस्था बनाए जिसमें श्रमिक और उनके परिवार जनों को डिस्पेंसरी से सीधे विशेषज्ञ हॉस्पिटल (अनुबंधित) में रेफर कर सकें। वर्तमान में गंभीर बीमारी से ग्रस्त और इमरजेंसी में मरीजों को पहले ईएसआईसी के डिसपेंसरी फिर मुख्य अस्पताल से अनुबंधित अस्पताल रेफर करवाना पड़ता है। इस जटिल प्रक्रिया की वजह से श्रमिक परिवारों को काफी परेशानी का सामना न करना पड़े इसके लिए मंत्री श्री देवांगन ने कहा की ईएसआईसी जब तक अपने अस्पतालों में सुविधा नही बढ़ाती तब तक मरीजों को अन्य अस्पतालों में पर्याप्त सुविधाएं उपलब्ध कराएं। कैबिनेट मंत्री ने प्रदेश के राइस मिल, मॉल, शॉपिंग कॉम्प्लेक्स, निजी स्कूल समेत अन्य संस्थान के सर्वे कर ज्यादा से ज्यादा कर्मियों को ईएसआईसी में पंजीकृत करने के निर्देश। उन्होंने बस्तर में जल्द कार्यालय और अस्पताल प्रारंभ करने निर्देशित किया। प्रदेश में 4 नए औषधालय शुरु करने के निर्देश दिया। साथ ही ईएसआईसी अस्पतालों में आईपीडी की सुविधा बढ़ाने को कहा।

श्रम मंत्री देवांगन ने अधिकारियों को निर्देश दिए है कि कर्मचारी राज्य बीमा निगम द्वारा संचालित अस्पतालों में श्रमिकों का बेहतर से बेहतर उपचार हो, उन्हें किसी प्रकार की असुविधा न हो। कैबिनेट मंत्री श्री देवांगन आज यहां मंत्रालय महानदी भवन में कर्मचारी राज्य बीमा निगम के अंतर्गत क्षेत्रीय परिषद जिसमें ईएसआई एवं आरआईटीईएस के अधिकारियों की बैठक में इस आशय के निर्देश दिए। श्री देवांगन ने इएसआईसी अस्पताल में उपलब्ध सुविधाओं का निरीक्षण करने हेतु रीजनल बोर्ड के सदस्यों को ईएसआई स्थानीय चिकित्सक द्वारा आमंत्रित करने को कहा। छत्तीसगढ़ क्षेत्र में 4 नए औषधालय जिनमें ग्राम लारा, खरसिया, तिल्दा एवं उरला में खोलने की स्वीकृति प्रदान की गई है। इस संबंध में कर्मचारी राज्य बीमा निगम द्वारा कार्यवाही की जा रही है।

अब स्कूल के कमरे में पड़ी मिली हजारों किताब

रायपुर,26 सितम्बर 2024 (ए)। छत्तीसगढ़ में सरकारी स्कूली किताब का मिलने का सिलसिला जारी है। अबकी बार हजारों की संख्या में स्कूली किताब स्कूल के बंद कमरे में ही पड़ी मिली है। ताजा मामला अभनपुर में स्वामी आत्मानंद स्कूल का है। स्कूल के एक बंद कमरे में हजारों की संख्या में किताबें पड़ी हुआ मिली है. इस मामले का खुलासा कांग्रेस के पूर्व विधायक विकास उपाध्याय ने किया है।

विकास उपाध्याय ने स्कूल से वीडियो बनाकर सोशल मीडिया में पोस्ट किया है। उनका आरोप है कि छत्तीसगढ़ में लाखों की संख्या में इसी तरह किताबें पड़ी हुई मिल जाएंगी। सरकार को सभी जिलों और ब्लॉकों में जांच करानी चाहिए। कबाड़ में किताब का खेल 100 करोड़ से अधिक का मामला है। इस मामले में जांच का दायरा व्यापक किया जाना चाहिए। मामले में डीईओ और और बीईओ से भी पूछताछ होनी चाहिए।

चार लाख से अधिक कर्मचारी नहीं जायेंगे दफ्तर,रहेंगे सामूहिक अवकाश पर

फेडरेशन के बैनर तले कर्मचारी संगठनों ने की है हड़ताल की घोषणा

रायपुर,26 सितम्बर 2024(ए)। छत्तीसगढ़ में 110 संगठनों वाले फेडरेशन के चार लाख से अधिक अधिकारी कर्मचारी कल काम बंद कलम बंद हड़ताल पर रहेंगे। मंत्रालयीन और विधानसभा, राजभवन के कर्मचारी इस हड़ताल में शामिल नहीं है।

मांगों को लेकर करेंगे धरना-प्रदर्शन

फेडरेशन द्वारा डीए समेत नौ सूत्रीय मांगों को लेकर चार चरणों के तहत आंदोलन किया जा रहा है। इसी कड़ी में आंदोलन के पहले दो चरण सफलता के साथ पूरी कर ली गई है। कल तीसरे चरण में लाखो कर्मचारी सामूहिक अवकाश पर रहकर जिला तहसील और ब्लाक स्तर पर धरना प्रदर्शन करेंगे। इसके बाद भी मांगें न मानी गई तो अगले माह किसी दिन से बे मुद्दत हड़ताल पर चले जाएंगे। फेडरेशन के संयोजक कमल वर्मा व अन्य ने बताया कि कल शासकीय ड्राइवर, भृत्य से लेकर द्वितीय वर्ग के अफसर भी काम पर दफ्तर नहीं जाएंगे।

संगठन का कहना है कि सरगुजा से बस्तर तक एक-एक साथी हर आंदोलन को सफल बनाने के लिए एकजुट हैं। इसी कड़ी में राजधानी में मुख्य प्रदर्शन बूढ़ापारा इंडोर स्टेडियम में पूर्वान्ह 11 बजे से होगा।

नारायणपुर पुलिस द्वारा 124 घंटों तक चलाया गया माड़ बचाओ अभियान सुरक्षा बलों को मिली बड़ी सफलता

सर्चिंग के दौरान भारी मात्रा में हथियार और गोला-बारूद बरामद

» नक्सलियों के मांद में फिर घुसी पुलिस...तीन खूंखार वर्दीधारी माओवादियों को किया ढेर...तीनों पर 50 लाख रुपये तक का इनाम

बस्तर,26 सितम्बर 2024(ए)। पुलिस और सुरक्षा बलों द्वारा नक्सल विरोधी ''माड़ बचाओं'' अभियान चलाया गया। इस दौरान बड़ी कामयाबी हासिल हुई है।अबूझमाड़ क्षेत्रान्तर्गत यह अभियान लगातार 124 घंटों तक चलाया गया। पुलिस द्वारा चलाये जा रहे संयुक्त अभियान में नारायणपुर, कोण्डागांव एवं दन्तेवाड़ा जिले के एलिट फोर्सेस डीआरजी, एसटीएफ एवं बीएसएफ 11वी, 133वीं व 135वीं वाहिनी का बल शामिल रहा। सुरक्षाबलों और नक्सलियों के बीच यह मुठभेड़ माड़ इलाके में हुई है।

मारे गए नक्सलियों की हुई पहचान

जिला नारायणपुर अबूझमाड़ क्षेत्रान्तर्गत परादी के जंगल मे माड़ डिविजन के साथ पुलिस-नक्सली मुठभेड़ हुई, जिसमें डीकेएसजेडसी, डीव्हीसीएम सहित 03 हथियारबंद सीनियर कैडर माओवादी ढेर हुए हैं। मृत नक्सलियों में रूपेश डीकेएसजेडसी-25 लाख ईनामी तथा जगदीश डीव्हीसीएम-16 लाख ईनामी एवं सरिता उर्फ बसंती पद पीपीसीएम कंपनी नंबर 10 पीएलजीए 08 लाख ईनामी महिला नक्सली रूप में शिनाख्त हुई।

लांचर सहित कई हथियार हुए बरामद

मुठभेड़ के बाद पुलिस ने घटना स्थल से एके-47 रायफल 01 सहित, आई एनएसएएस 01 नग, एसएलआर 02 नग, कारबाईन 02 नग, .303 राइफल 01 नग, 12 बोर बन्दूक 01 नग, सिंगल शाट 02 नग, बी जी एल लांचर राइफल 01 नग 75 सेल नग सहित भारी मात्रा में विस्फोटक सामान व अन्य नक्सली दैनिक उपयोगी सामग्री बरामद किया है। बता दें कि घटनास्थल पर खून के धब्बे दखे गए हैं जिससे सम्भावना जताई जा रही हैं कि इस मुठभे में सिर्फ तीन नहीं बल्कि और भी नक्सलियों के घायल होने अथवा मारे जाने की संभावना है।

सुकमा में नक्सलियों के सप्लायर गिरफ्तार

उधर सुकमा जिले में नक्सलियों के बटालियन नंबर 1 को विस्फोटक सामान उपलब्ध कराने वाले 2 सप्लायर्स को सुकमा पुलिस ने गिरफ्तार किया है। नक्सलियों के पीएलजीए बटालियन के शहरी सप्लाई नेटवर्क की हूमन पाइंट एवं टेक्निकल पाइंट मिलने पर 25 सितम्बर को थाना सुकमा से जिलाबल की पार्टी देवी चौक पटनमपारा सुकमा की ओर रवाना हुए थे।

प्रकाशक,मुद्रक,स्वामी अविनाश कुमार सिंह के द्वारा सांई ऑफसेट प्रिंटर्स,नमनाकला,संत हरकेवल विद्यापीठ के पास,अम्बिकापुर से मुद्रित एवं प्रकाशित। संपादक-अविनाश कुमार सिंह* (पी.आर.बी.कानून के अनुसार संपूर्ण संपादकीय दायित्व के लिए जिम्मेदार)
RNI Reg.No.CHHHIN/2004/15050मो. 94062-23001,98265-32611,Email:ghatatighatana11@ gmail.com,Website:www.ghatatighatana.com, (सभी विवादों का न्याय क्षेत्र अम्बिकापुर न्यायालय मान्य होगा)